RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः350, गुरुवार, 5 फरवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाण पत्र का वितरण 03

पकड़ीदयाल को जिला बनाने की मांग तेज 04

चांद मेरा दिल की रिलीज तारीख जारी, 10 अप्रैल को साथ आएंगे... 07

नरवणे की किताब लेकर संसद पहुंचे राहुल गांधी

- बोले-प्रधानमंत्री मोदी में संसद आने की हिम्मत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के राहुल गांधी द्वारा पूर्व सैन्य प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण में की गई टिप्पणियों का जिक्र करने को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच बुधवार को राहुल गांधी इस किताब एक प्रति लेकर संसद पहुंच गए। राहुल गांधी ने दावा किया कि यह किताब विदेश में छप चुकी है, लेकिन इसे भारत में प्रकाशन की अनुमति नहीं दी जा रही है। इस दौरान

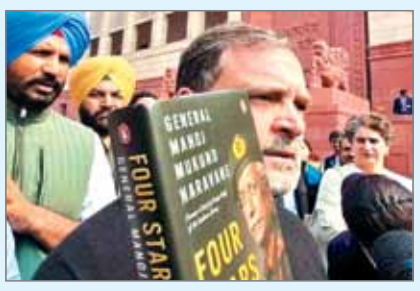

उन्होंने इसके एक अंश का हवाला देते हुए यह दावा भी किया कि जब चीन के टैंक भारत की सीमा की तरफ बढ़ रहे थे, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन नहीं किया था। उन्होंने कहा है कि पीएम के पास संसद आने की हिम्मत नहीं, और अगर वह संसद आएंगे तो राहुल उन्हें यह किताब देंगे। उन्होंने बुधवार को पत्रकारों को यह पुस्तक दिखाते हुए कहा, वे कहते हैं कि यह किताब अस्तित्व में नहीं है, लेकिन यह रही किताब। भारत के हर युवा को यह देखना चाहिए कि यह किताब मौजूद है। यह नरवणे जी की किताब है, लेकिन मुझे कहा गया है कि मैं इस पर टिप्पणी नहीं कर सकता। राहुल गांधी ने दावा किया कि इसमें है जो उचित समझो, वो करो।

कृषि क्षेत्र की सुरक्षा के साथ नहीं हुआ कोई समझौता

- भारत-यूएस ट्रेड डील पर संसद में सरकार का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बुधवार को इस समझौते को ऐतिहासिक करार देते हुए लोकसभा में कहा कि भारत इस समझौते में कृषि और दुग्ध क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है। उन्होंने सदन में दिए वक्तव्य में यह भी कहा कि इस समझौते से भारत को विकसित बनाने की दिशा में देश की यात्रा को मजबूती मिलेगी। विपक्ष के हंगामे के बीच सदन को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा, दोनों देश नियमित रूप से चर्चा कर रहे

थे। दोनों पक्षों ने विभिन्न स्तरों पर गहन बातचीत की है। दोनों पक्ष अपनी-अपनी अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा करते हुए यह समझौता करने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय पक्ष विशेष रूप से कृषि और दुग्ध क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है। गोयल ने इस बात पर जोर दिया, खाद्य और कृषि क्षेत्र में भारत की संवेदनशीलता का ध्यान रखा गया है। वाणिज्य मंत्री ने आगे कहा, मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि यह प्रतिस्पर्धी देशों पर शुल्क से कम है।

न सुरक्षा और न शोर, सिर्फ आध्यात्मिक यात्रा पर जोर

- बिहार सीएम के बेटे निशांत कुमार ई-रिक्शा से घूम रहे वृंदावन

पटना (एजेंसी)। धार्मिक नगरी वृंदावन में बुधवार को मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के बेटे निशांत कुमार अपने परिवार के साथ दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे। यह यात्रा किसी राजनीतिक या औपचारिक कार्यक्रम का हिस्सा नहीं थी, बल्कि पूरी तरह निजी और आध्यात्मिक रही। निशांत कुमार की इस यात्रा की सबसे खास बात उनका सादा अंदाज रहा। वृंदावन की गलियों में वे ई-रिक्शा से घूमते नजर आए। न कोई भारी सुरक्षा व्यवस्था, न वीआईपी प्रोटोकॉल और न ही किसी तरह का तामझाम दिखा। स्थानीय लोगों ने उन्हें आम श्रद्धालु की तरह सहज रूप में घूमते देखा।

- **मंदिर दर्शन और आध्यात्मिक माहौल में समय-** वृंदावन प्रवास के दौरान निशांत कुमार ने परिवार के साथ विभिन्न मंदिरों में दर्शन किए। उन्होंने आध्यात्मिक वातावरण में समय बिताया और कृष्ण नगरी की शांति को नजदीक से महसूस किया। यात्रा के दौरान वे पैदल घूमते और जल निकायों के आसपास भ्रमण करते भी नजर आए। निशांत कुमार की वृंदावन यात्रा की कुछ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। इनमें वे ई-रिक्शा में सफर करते, गलियों में टहलते और आम श्रद्धालुओं के बीच नजर आते हैं।

लाइमलाइट से दूरी, निजी जीवन को प्राथमिकता

निशांत कुमार आमतौर पर सार्वजनिक मंचों और लाइमलाइट से दूर रहते हैं। वे बहुत कम सार्वजनिक कार्यक्रमों में नजर आते हैं और निजी जीवन में सादगी पसंद माने जाते हैं। राजनीति से भी उन्होंने अब तक दूरी बनाए रखी है, हालांकि बिहार की राजनीति में उनके नाम को लेकर समय-समय पर चर्चाएं होती रहती हैं। निशांत कुमार मुख्यमंत्री नीतिश कुमार और मंजू सिन्हा के इकलौते बेटे हैं। उनकी मां एक समय स्कूल शिक्षिका थीं।

युमनाम खेमचंद बने मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री बने हैं। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने बुधवार शाम को इम्फाल स्थित लोकभवन में खेमचंद को शपथ दिलाई। खेमचंद मैतेई समुदाय से आते हैं। उनके साथ ही नगा समुदाय से आने वाले लोसी दिखो ने डिप्टी सीएम की शपथ ली। वे नगा पीपुल्स फ्रंट के विधायक हैं। वहीं, कुकी समुदाय से आने वालीं नेमचा किपगेन राज्य की पहली डिप्टी सीएम बनीं। भाजपा नेता नेमचा ने दिल्ली के मणिपुर भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शपथ ली।

- हमें कहीं भी न्याय नहीं मिल रहा

मैं एक बंधुआ मजदूर हूं

- एसआईआर मुद्दे पर सीजेआई सूर्यकांत से बोलीं ममता बनर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में हुए स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के मुद्दे पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में तब अभूतपूर्व नजारा देखने को मिला, जब खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दलीलें रखने के लिए पेश हुईं। उन्होंने एसआईआर का विरोध करते हुए सीजेआई सूर्यकांत की बेंच के सामने कहा कि हमें कहीं भी न्याय नहीं मिल रहा, हमने चुनाव आयोग को छह चिट्ठियां लिखी हैं।

मैं एक बंधुआ मजदूर हूं। उन्होंने चुनाव आयोग पर पश्चिम बंगाल को जानबूझकर निशाना बनाने

का आरोप लगाया। बार एंड बेंच वेबसाइट के अनुसार, ममता की ओर से वरिष्ठ वकील श्याम दीवान भी पेश हुए और कहा कि अपमैप्ड वोटर 32 लाख हैं। लॉजिकल गड़बड़ी वाली लिस्ट में 1.36 करोड़ हैं। 63 लाख सुनवाई पेंडिंग है अभी। उन्होंने बड़ी संख्या में अनमैप्ड वोटर्स का जिक्र करते हुए कहा कि सुधार के उपायों के लिए बहुत कम समय बचा है। ममता के वकील की तरफ से कुछ उदाहरण भी पेश किए गए, जिसमें बताया गया कि कैसे नामों में गड़बड़ी आई। वकील ने कहा कि हमने आपको सब बताया है।

- चुनाव से पहले बंगाल को निशाना बनाया जा रहा- उन्होंने आरोप लगाया कि यह गलत मैपिंग हो रही है। चुनाव से ठीक पहले सिर्फ पश्चिम बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है। वे दो महीने में ही वह काम करना चाहते हैं, जिसमें दो साल लग जाते हैं। बीएलओ ने आत्महत्या कर ली और उन्होंने चुनाव अधिकारियों पर यह आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल को निशाना बनाया गया, असम को क्यों नहीं? सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को नोटिस जारी करते हुए जवाब देने को कहा है। सोमवार को इस मामले की फिर से सुनवाई होगी। बता दें कि वह खुद वकील हैं।

डीआरडीओ का कमाल किया एक और कारनामा

- एसएफडीआर तकनीक का सफल रहा टेस्ट, टॉप लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। डीआरडीओ ने ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से एसएफडीआर तकनीक का सफल प्रदर्शन किया। सुबह लगभग 10.45 बजे किया गया यह परीक्षण लंबी दूरी की एयर-टू-एयर मिसाइलों के विकास में भारत की क्षमता को बढ़ावा देगा। डीआरडीओ के अनुसार, यह टेस्ट ग्राउंड बूस्टर से शुरू होकर वांछित माच संख्या तक पहुंचने के बाद एसएफडीआर मोटर ने सुचारू रूप से काम किया। इससे भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है जिनके पास यह प्रोपल्शन सिस्टम उपलब्ध है। परीक्षण की सफलता ने डिफेंस सेक्टर में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित किया है। टेस्ट के दौरान नोजल-लेस बूस्टर, सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट मोटर और फ्यूल फ्लो कंट्रोलर जैसे सभी सबसिस्टम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किए। आईटीआर, चांदीपुर के ट्रैकिंग इंस्ट्रूमेंट्स ने बे ऑफ बंगाल के किनारे फ्लाइट डेटा को कैप्चर किया, जिससे परफॉर्मेंस की पुष्टि हुई।

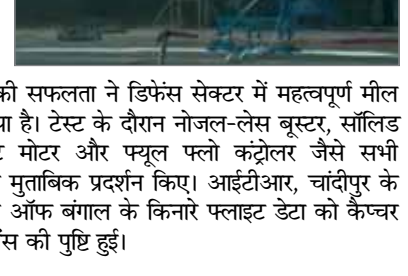

आत्मनिर्भर भारत को मिलेगी मजबूती

पिछले वर्षों में डीआरडीओ ने एसएफडीआर के कई टेस्ट किए हैं (2018, 2021, 2023 आदि), लेकिन यह 2026 का प्रदर्शन सबसे महत्वपूर्ण रहा। रूस की मदद से शुरू हुई यह तकनीक अब स्वदेशी हो गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, वैज्ञानिकों और इंडस्ट्री को बधाई दी। यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया को मजबूत करेगी, जिससे लंबी दूरी की मिसाइलें जल्दी तैनात हो सकेंगी। भविष्य में यह आईएएफ की हवाई श्रेष्ठता बढ़ाएगा और निर्यात संभावनाएं खोलेगा। कुल मिलाकर, यह परीक्षण रक्षा अनुसंधान की परिपक्वता दर्शाता है।

जम्मू-कश्मीर में जैश के 2 आतंकियों का एनकाउंटर

- उधमपुर में गुफा में छिपे थे, भारतीय सेना ने ग्रेनेड से उड़ाया

उधमपुर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बुधवार को सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया। दोनों आतंकवादी गुफा में छिपे हुए थे। सेना ने गुफा को ग्रेनेड से विस्फोट कर उड़ा दिया। एनकाउंटर का वीडियो भी सामने आया है। एक आतंकवादी का शव गुफा के मुहाने पर पड़ा था, जबकि दूसरा गुफा के अंदर काफी गहराई में पड़ा मिला। इस ऑपरेशन में जैस का टॉप कमांडर रुबानी उर्फ अबू माविया भी मारा गया। वो इलाके में कई साल से सक्रिय था। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के पास से एम4 कार्बाइन, एके-47 असॉल्ट राइफल और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया। व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि डेल्टा, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ का यह जॉइंट आपरेशन था। इसके तहत इलाके की घेराबंदी की गई। इसे ऑपरेशन 'किया' नाम दिया गया। मुठभेड़ मंगलवार को शाम 4 बजे शुरू हुई।

मोबाइल गेम की लत

3 बहनों ने दांव पर लगाई जिंदगी

- गाजियाबाद में 9वीं मंजिल से कूदीं, उम्र 12-14-16 साल
- सुसाइड नोट में लिखा-सॉरी मम्मी-पापा

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में तीन सगी बहनों ने नौवीं मंजिल की बालकनी से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार रात 2 बजे तीनों ने कमरे को अंदर से बंद किया, फिर स्टूल रखकर एक-एक करके बालकनी से छलांग लगा दी। उनकी उम्र करीब 12, 14 और 16 साल है। पिता के मुताबिक, तीनों बेटियों को टास्क-बेस्ड कोरियन लव गेम की लत थी। वे हर वक्त एक साथ रहती थीं। एक साथ नहाती थीं और टॉयलेट जाती थीं। इस कदर गेम की लत थी कि

स्कूल भी छोड़ दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा है कि पिता ने उन्हें गेम खेलने से मना किया और फटकार लगाई। इसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया। तीनों बहनें जिस कमरे में सोती थीं, वहां पुलिस को एक डायरी मिली है। इसके 18 पन्नों में सुसाइड नोट लिखा मिला।

पिता ने दो शादियां कीं, शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं

तीनों बच्चियों के नाम निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) हैं। पिता चेतन गुर्जर ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं। वह मूल रूप से दिल्ली के खजूरी के रहने वाले हैं। परिवार में 2 पत्नी, 7 साल का बेटा और चार बच्चियां थीं। साथ में साली भी रहती है। चेतन ने दो शादियां की हैं। पहली पत्नी से बच्चे नहीं होने पर उन्होंने उसकी बहन यानी साली से दूसरी शादी की। दूसरी पत्नी से निशिका और प्राची का जन्म हुआ। इसके बाद पहली पत्नी से भी एक बेटी पैदा हुई। फिर दूसरी पत्नी से एक और बेटी-बेटा भी हुए हैं। जिस फ्लैट में परिवार रहता है, उसमें तीन कमरे और एक हॉल है। घटना के वक्त चेतन दोनों पत्नियों के साथ एक कमरे में सो रहे थे। साली, 3 साल की बेटी और 7 साल का बेटा भी उसी कमरे में थे।

सरदार का अपमान

भाजपा ने सिखों से जोड़ा, बिट्टू-सिरसा ने दिखाए तीखे तेवर

रवनीत बिट्टू को 'गद्दार' बताकर बुरे फंसे राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद परिसर में केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू पर 'गद्दार' वाला तंज कसे जाने पर राहुल गांधी घिरते नजर आ रहे हैं। इस मामले को भाजपा ने अब सिखों को अपमान से जोड़ दिया है। दिल्ली के मंत्री मनजरिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि राहुल गांधी ने जैसे शब्दों का इस्तेमाल एक सिख मंत्री के खिलाफ किया है, मैं उसकी निंदा करता हूं। यह बेहद शर्मनाक है। यदि कोई गद्दार है तो वह आप हैं, राहुल गांधी। सिख सरदार कभी गद्दार नहीं हो सकता। एक सिख के खिलाफ ऐसे शब्दों का इस्तेमाल बता रहा है कि आपकी सोच अब भी नहीं बदली है। सिरसा ने कहा कि कांग्रेस की मानसिकता में कोई बदलाव नहीं आया। इनके मन में 1980 में सिखों के प्रति जो जहर था, वह अब भी इनके अंदर है। उन्होंने कहा कि यही लोग थे, जिन्होंने श्री दरबार साहिब पर टैंकों से हमला कराया। अकाल तख्त साहिब को नुकसान

पहुंचाया। सिखों को जिंदा जलवा दिया। हम आपके पापों की निंदा करते हैं और जिस तरह सिखों के खिलाफ बोल रहे हैं। उस सहा नहीं जाएगा। मेरी लोकसभा के स्पीकर साहब से अपील है कि राहुल गांधी पर तुरंत ऐक्शन लिया जाए। वहीं रवनीत सिंह बिट्टू ने भी तीखा हमला बोला और कहा कि राहुल गांधी सड़क के गुंडे वाली भाषा में बात कर रहे थे।

रवनीत बिट्टू ने 1984 के दंगों को किया याद

बिट्टू ने भी 1984 के दंगों को याद करते हुए कहा कि आपसे बड़ा गद्दार कोई नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, मैं कहता हूं कि आपसे बड़ा कोई गद्दार नहीं है। आपके गुंडों ने हजारों सिखों को मरवाया। हमारे सबसे पवित्र गुरुद्वारे में हमला कराया। जब कांग्रेस कार्यकर्ता शहीद राजीव गांधी के नारे लगाते हैं तो सरदार बेअंत सिंह को शहीद-ए-आजम भी कहते हैं। पंजाब की समस्याओं को और वहां फैले आतंकवाद को खत्म कराने में सरदार बेअंत सिंह की अहम भूमिका थी। बता दें कि पंजाब के पूर्व सीएम सरदार बेअंत सिंह उनके दादा हैं और रवनीत सिंह बिट्टू खुद कांग्रेस के सांसद रहे हैं। उन्होंने 2024 में भाजपा का दामन थाम लिया था।

कांग्रेस ने भी मामला संभालने को उतारे पंजाब के ही सांसद

इस बीच संसद परिसर में रवनीत बिट्टू और राहुल गांधी के बीच हुई बहस पर कांग्रेसी नेताओं ने भी जवाब दिया है। कांग्रेस की ओर से पंजाब के सांसदों ने ही मोर्चा संभाला है। अमरिंदर सिंह वड़िंग ने कहा कि राहुल गांधी ने हमारे जैसे कई नेताओं को पहचान दी है। उनमें से एक रवनीत सिंह बिट्टू भी रहे हैं लेकिन आज जो लोग कांग्रेस को छोड़कर गए हैं, वे उन लोगों को खुश करने के लिए नए-नए काम करते हैं। इसके अलावा एक और सांसद गुरजीत सिंह औजला ने कहा कि विपक्ष को बोलने ही नहीं दिया जा रहा है। जब ये लोग नेता विपक्ष को बोलने ही नहीं दे रहे तो फिर लोकतंत्र कैसा है। हम भी चुनकर आए हुए हैं।

पाक संग दोस्ती के बीच 'रियाद' पहुंचे डोभाल

सऊदी अरब के साथ मिडिल ईस्ट तनाव पर हो सकती है चर्चा

रियाद (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारत के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल सऊदी अरब पहुंचे हैं। माना जा रहा है कि वो पाकिस्तान-सऊदी रक्षा संबंध, सऊदी-यूएई तनाव और डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पीस प्लान पर बात कर सकते हैं। अजीत डोभाल का ये दौरा भारत और सऊदी अरब के बीच बढ़ते स्ट्रेटेजिक और सिक्योरिटी सहयोग को दिखाता है। रियाद में भारतीय दूतावास के मुताबिक डोभाल का एयरपोर्ट पर सऊदी अरब में भारत के राजदूत डॉ. सुहेल एजाज खान और सऊदी अरब के राजनीतिक मामलों के उप मंत्री, राजदूत डॉ. सऊद अल-साती ने स्वागत किया। अजीत डोभाल का यह दौरा आतंकवाद विरोधी और सुरक्षा मामलों पर मजबूत द्विपक्षीय सहयोग के बीच हो रहा है। 28 जनवरी को सऊदी अरब ने जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के साथ-साथ दिल्ली के लाल किले के पास हुई आतंकी घटना की निंदा की थी। खास बात ये भी थी कि उसी दिन काउंसिल की बैठक थी।

संक्षिप्त समाचार

पटना जू में मादा जिराफ 'शांति' की मौत, 21 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

पटना। पटना जू में मादा जिराफ 'शांति' की मंगलवार रात को उम्र 21 साल की उम्र में मौत हो गयी है। पटना जू प्रशासन द्वारा मौत का प्रारंभिक कारण प्रेगनेंसी कॉम्प्लिकेशंस बताया गया है। शांति के मौत के कारणों के डिटेल जांच के लिए सैम्पल को विशेषज्ञ संस्थानों में भेजा जा रहा है। फिलहाल शांति के दो बच्चे "अमन और नंदनी" पटना जू में है। पटना जू और देश के चिड़ियाघरों में जिराफों के संरक्षण प्रजनन में मादा जिराफ "शांति" का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

USA से लाया गया था मादा जिराफः शांति का जन्म दिनांक 20 जुलाई 2005 को यू.एस.ए के सेन डियागो जू में हुआ था। वर्ष 2006 में मादा जिराफ को सेन डियागो जू से संजय गांधी जैविक उद्यान, पटना में वन्यजीव अदला-बदली कार्यक्रम के तहत लाया गया था। मादा जिराफ "शांति" के द्वारा 2011 में पटना जू में पहला बच्चा "नव्या" को जन्म दिया गया। 2011 से वर्ष 2023 तक मादा जिराफ के द्वारा 6 बच्चों को जन्म दिया गया है। मादा जिराफ के बच्चों को देश के अन्य चिड़ियाघरों- नंदनकानन जू, भुवनेश्वर, गुवाहटी जू, असम, मैसूर जू, कर्नाटक को दिया गया है। पटना जू में ठंड के मौसम को देखते हुए वन्यजीवों के बचाव के लिए विशेष इंतजाम किए गए। इसमें से जिराफ के लिए भी खास इंतजाम थे। जिराफ के लिए खुले मैदान में पुआल बिछाया गया, ताकि वह ठंड में उसपर बैठ सके। इसके साथ ही छोटे शावक को केयर टेकर द्वारा बोरे का खोल बनाकर पहनाया गया है। तीन बार में खाना दिया जा रहा। पीने और नहाने के लिए जू-प्रबंधन की ओर से गर्म पानी का खास तौर पर इंतजाम किया गया। उन्हें हल्का गर्म पानी पीने के लिए दिया जाता। इसके साथ ही उस पानी में नमक मिलाया जा रहा।

रेंट एग्रीमेंट के विवाद को लेकर फायरिंग, 50 लाख की रंगदारी मांगने का भी आरोप, 2 बार किया टारगेट

पटना। पटना में दीघा इलाके के लोयला स्कूल के पास शंभू सिंह नाम के शख्स पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। हालांकि शंभू सिंह फायरिंग करने वाले बदमाश से भीड़ गए। हाथ पकड़कर ऊपर कर दिया। जिससे हवाई फायरिंग हो गई। वहां मौजूद लोगों ने इसी बीच उस शख्स को पकड़ लिया। बुरी तरह से मारने पीटने लगे। पीड़ित पक्ष ने पीटने के बाद पुलिस को खबर की। मौके पर पुलिस आई और आरोपी को लेकर थाने चली आई। गंभीर चोट होने के चलते पुलिस ने आरोपी का इलाज भी कराया। इधर, दो अन्य आरोपी फरार हो गए। बताया जा रहा कि 50 लाख की रंगदारी भी मांगी गई थी। वहीं, पीड़ित पर दोबारा हमला किया गया है। रेंट के पैसे को लेकर विवाद था। प्रभारी सेंट्रल एसपी भानु प्रताप ने बताया कि आरोपी की पहचान बिहटा के रहने वाले सिकंदर उर्फ राहुल के तौर पर हुई है। पूर्व से ही दोनों के बीच रेंट के रुपए को लेकर विवाद चल रहा है। आरोपी का कहना है कि शंभू सिंह के यहां रुपए बकाया है। वहीं, शंभू सिंह का कहना है कि कोई रुपए बकाया नहीं है। इसी बात के विवाद में सिकंदर ने शंभू को टारगेट कर के फायरिंग की थी। आरोपी के पास से एक पिस्टल, एक देशी कट्टा मिले हैं। फिलहाल और भी पूछताछ की जा रही है। एक के खिलाफ दिया आवेदन इधर, पीड़ित शंभू सिंह ने दीघा थाने में सिकंदर उर्फ राहुल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस आस पास में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर छानबीन कर रही है। घटनास्थल से एक बाइक भी बरामद की गई थी। जिसके नंबर प्लेट पर टेप चिपकाया गया था। पुलिस को आशंका है कि इसी बाइक से अपराधी घटना को अंजाम देने आए थे।

बस से 4 लाख की शराब जब्त, दनियावां में ड्राइवर-खलासी गिरफ्तार, रांची से मुजफ्फरपुर ले जाई जा रही थी खेप

पटना। पटना के दनियावां थाना क्षेत्र में बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (BSRTC) की एक बस से भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की गई है। पुलिस ने इस मामले में बस के ड्राइवर और खलासी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, जब्त की गई शराब की अनुमानित कीमत करीब 4 लाख रुपये है। बस से कुल 282 बोतल विदेशी शराब बरामद की गई है। गिरफ्तार किए गए ड्राइवर की पहचान वैशाली निवासी धर्मजीत और खलासी की पहचान मोतिहारी निवासी मनोज कुमार के रूप में हुई है। पूछताछ में पता चला है कि ये दोनों बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के कर्मचारी हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी रांची से विदेशी शराब लेकर मुजफ्फरपुर जा रहे थे। शराब को सरकारी बस के जरिए ले जाया जा रहा था ताकि किसी को शक न हो। वे पटना के रास्ते से गुजर रहे थे। तभी गुप्त सूचना के आधार पर दनियावां थाने की पुलिस ने होरिल बीघा गांव के पास उन्हें रोककर गिरफ्तार कर लिया। दनियावां थाना प्रभारी ने बताया कि, हमें गुप्त सूचना मिली थी कि BSRTC की एक बस से शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने होरिल बीघा गांव के पास चेकिंग अभियान चलाया। जैसे ही संदिग्ध बस वहां पहुंची, पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान बस से 282 बोतल विदेशी शराब बरामद की गई, जिसके बाद ड्राइवर और खलासी को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया।' पुलिस अब यह जांच कर रही है कि शराब की सप्लाई किसके कहने पर की जा रही थी, इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं और क्या इस मामले में परिवहन निगम के अन्य कर्मचारी भी शामिल हैं? दनियावां थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ शराबबंदी कानून के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

वैशाली में अफीम-हेरोइन की बड़ी खेप पकड़ी गई, हुंडई वेन्यू से बरामदगी, झारखंड के तीन तस्कर गिरफ्तार

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने एक विशेष अभियान में 1 किलो 4 ग्राम अफीम और 158 ग्राम हेरोइन जब्त की है। ये मादक पदार्थ सराय टोल प्लाजा के पास एक हुंडई वेन्यू कार से बरामद किए गए। इस संबंध में झारखंड के तीन तस्करों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में मादक पदार्थों की बरामदगी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में, 3 फरवरी 2026 को जिला आसूचना इकाई (DIU) वैशाली को सूचना मिली कि नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र से मुजफ्फरपुर-सराय होते हुए झारखंड जाने वाली एक सफेद हुंडई वेन्यू कार में मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक ने जिला आसूचना इकाई वैशाली और सराय थाना पुलिस की एक संयुक्त टीम का गठन किया। इस टीम ने 3 फरवरी 2026 को शाम लगभग 7:30 बजे सराय टोल टैक्स के पास संदिग्ध हुंडई कार को रोका। कार में चालक सहित कुल तीन लोग सवार थे। पूछताछ में चालक की पहचान चतरा निवासी ललन कुमार के तौर पर हुई। पिछली सीट पर बैठे दो अन्य व्यक्तियों की पहचान पलामू निवासी श्रवण कुमार और चतरा निवासी अनिल कुमार के रूप में की गई। ये सभी झारखंड राज्य के निवासी हैं। एक दंडाधिकारी की उपस्थिति में वीडियोग्राफी के साथ तीनों व्यक्तियों और कार की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान, कार के गियर बॉक्स के बाईं ओर यात्री सीट के बगल से एक काले रंग की पॉलिथीन में अफीम मिली। इसके अतिरिक्त, गियर के पीछे बने बॉक्स से एक सफेद प्लास्टिक के डिब्बे में ब्राउन कलर का पाउडर (हेरोइन) बरामद हुआ। मौके पर ही दोनों मादक पदार्थों का वजन किया गया, जिसमें अफीम का वजन 1 किलो 4 ग्राम और हेरोइन का वजन 158 ग्राम पाया गया। गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों और कार मालिक के खिलाफ सराय थाना कांड संख्या 29/26 दर्ज किया गया है। सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

नितिन नवीन के पटना दौरे को लेकर भाजपा की बैठक

एजेंसी, पटना

- बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार आ रहे बिहार, बापू सभागार में होगा नागरिक अभिनंदन

भारतीय जनता पार्टी के नव-नियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 9 और 10 फरवरी को दो दिवसीय दौरे पर पटना आ रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका पहला बिहार आगमन होगा। उनके आगमन को लेकर बिहार भाजपा में खासा उत्साह है और पार्टी स्तर पर भव्य स्वागत की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। उनके स्वागत की तैयारियों को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने आज पटना में पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की। बैठक में स्वागत कार्यक्रम, संगठनात्मक बैठकों और दौरे के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बिहार की मिट्टी के लाल हैं नितिन नवीन- संजय सरावगीः बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि, 'बिहार की मिट्टी के लाल और हमारे अपने नितिन नवीन जी को भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनका पहला आगमन 9 और 10 फरवरी को अपने ही प्रदेश बिहार में हो रहा है, जो हम सभी के लिए गर्व का विषय है।'

9 फरवरी को बापू सभागार में भव्य नागरिक अभिनंदनः प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि, '9 फरवरी को पटना के बापू सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का भव्य नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल होंगे। इस दौरान नागरिक अभिनंदन समारोह के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक करेंगे।'

नितिन नवीन के दौरे के दौरान भाजपा विधानमंडल दल की भी बैठक प्रस्तावित है। इस बैठक में संगठनात्मक मजबूती, आगामी राजनीतिक रणनीति और प्रदेश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। संजय सरावगी ने बताया कि जब नितिन नवीन राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में बिहार आए थे, तब भाजपा की ओर से मिलर हाई स्कूल ग्राउंड में उनका भव्य अभिनंदन किया गया था। इस बार राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनका अभिनंदन बापू सभागार में किया जाएगा, जिसे ऐतिहासिक बनाने की तैयारी है।

10 फरवरी को विधानसभा जाएंगे नितिन नवीनः संजय सरावगी ने बताया कि, 'राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन विधायक भी हैं, ऐसे में 10 फरवरी को वे विधायक के नाते बिहार विधानसभा जाएंगे। इस दिन भी उनका कार्यक्रम लगातार और व्यस्त रहेगा। नितिन नवीन ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी के आवास पर जाने की इच्छा भी व्यक्त की है, जिस पर पार्टी स्तर पर कार्यक्रम तय किया जा रहा है। इसके बाद वे भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचकर पार्टी पदाधिकारियों और अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।' प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि, 'दोनों ही दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यक्रम लगातार रहेगा और उनके स्वागत को लेकर कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है।' भाजपा उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहले बिहार आगमन को ऐतिहासिक और यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

मधुबनी समेत 10 जिलों में घना कोहरा, विजिबिलिटी 100 मीटर

एजेंसी, पटना

- पटना से जाने वाली 6 ट्रेनें लेट, पछुआ हवाओं ने फिर बढ़ाई ठिठुरन

बिहार में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। मधुबनी, बगहा, बेतिया, गोपालगंज समेत 10 जिलों में घना कोहरा छाया है। विजिबिलिटी 100 के करीब है। लोगों को गाड़ियों की लाइट चालू कर के चलना पड़ रहा है। कोहरे की वजह से पटना से जाने वाली 6 ट्रेनें लेट चल रही हैं। मौसम विभाग ने आज दरभंगा, मुजफ्फरपुर, कटिहार समेत 25 जिलों में घने कोहरे को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 100 मीटर के आसपास विजिजिलिटी रहने की संभावना है। सुबह और देर रात घनी धुंध छाई रहेगी। साथ ही लोगों को कनकनी ज्यादा महसूस हो सकती है। बीते 24 घंटे में 3 जिलों में कोहरा दिखाई दिया। इन जिलों में विजिबिलिटी लगभग 100 मीटर के आसपास रही। वहीं, 8°C न्यूनतम तापमान के साथ भागलपुर सबसे ठंडा जिला रहा।

पटना में पछुआ हवाओं से सुबह-सुबह ठिठुरन महसूस हो रही है। मधुबनी में पछुआ हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। विजिबिलिटी 100 की करीब है। जमुई और नालंदा में मौसम साफ है। सुबह-सुबह धूप निकली है। कोहरे की वजह से पटना से जाने वाली 6 ट्रेनें लेट चल रही हैं।

कई जिले में 2 दिनों से क्यों छा रहा घना कोहराः पिछले 2 दिनों से राज्य के कई जिलों में लगातार घना कोहरा दिख रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इसका मेन कारण उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का कमजोर प्रभाव और वातावरण में नमी का बढ़ना है।

रात में हवा की रफ्तार काफी कम हो जा रही है, जिससे नमी जमीन के पास ही जमा हो रही है। साथ ही न्यूनतम तापमान में बहुत ज्यादा गिरावट नहीं होने के कारण कोहरे की स्थिति और मजबूत हो गई है। साफ आसमान और शांत मौसम की वजह से सुबह के समय कोहरा देर तक छाया रह रहा है।

सीएम का बेटा 10 रुपए देकर रिक्शे में घूम रहा

एजेंसी, पटना

CM नीतीश कुमार के बेटे निशांत अपनी सादगी के लिए जाने जाते हैं। वो इन दिनों वृंदावन में पूजा पाठ में मशगूल हैं। निशांत अपने रिश्तेदारों के साथ वृंदावन की गलियों में बिना VIP प्रोटोकॉल के देखे गए। उन्होंने 10 रुपए में ई रिक्शा की सवारी भी की। उनके साथ कोई तामझाम या सुरक्षा का भारी घेरा नजर नहीं आया। स्थानीय लोग भी उन्हें सहज और सामान्य अंदाज में घूमते देख हैरान रह गए। निशांत आमतौर पर लाइमलाइट से दूर रहते हैं। वो सार्वजनिक कार्यक्रमों में कम ही नजर आते हैं। वो राजनीति से भी अब तक दूरी बनाए हुए हैं। हालांकि बिहार की राजनीति में समय-समय पर उन्हें लेकर चर्चाएं जरूर होती रहती हैं। निशांत कुमार कृष्ण के भक्त बताए जाते हैं। उन्होंने एक बार बताया था कि वो मैं मोबाइल पर हरे रामा हरे कृष्णा सुनते थे, लेकिन उसमें आवाज अच्छी नहीं आती थी। इसलिए उन्होंने स्पीकर खरीदा। ताकि वो कृष्ण भजन अच्छे से सुन पाए। हाल ही मैं निशांत अपने पिता नीतीश कुमार के साथ नालंदा गए थे। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने निशांत को घेर लिया था। गांव के लोगों ने भी उन्हें अपनी समस्या बताईं। इस पर निशांत ने कहा कि देखते हैं हम करवाते हैं। इसके बाद निशांत गांव की महिलाओं से मिले। गरीब लोगों और बच्चों के बीच कंबल भी बांटे थे। वहीं गेस्ट हाउस की भी कुछ तस्वीरें सामने आईं थीं, जिसमें निशांत और नीतीश कुमार साथ-साथ नाश्ता करते दिखे थे।

नीट स्टूडेंट मौत- पत्रकारों के सवाल पर एसएसपी बोले- नो कमेंट्स, आईजी ने कहा- केस सीबीआई के पास

एजेंसी, पटना

NEET छात्रा की मौत के मामले में बुधवार को पुलिस अधिकारियों ने पटना में एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस PC में IG जितेंद्र राणा, SSP कार्तिकेय शर्मा, SP परिचय कुमार मौजूद थे। 15 मिनट तक पटना पुलिस ने केस को लेकर सिर्फ अपनी बातें रखीं। आखिर में IG ने कहा केस अब CBI के पास है। पत्रकारों के सवाल पर कार्तिकेय शर्मा ने कहा- नो कमेंट्स। इसके बाद पुलिस के सभी अधिकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस से उठकर निकल गए। बाहर भी पत्रकारों ने उनसे सवाल करना चाहा तो वो दौड़ते हुए अपनी-अपनी गाड़ियों में बैठकर निकल गए।

यौन हिंसा से इनकार नहींः SSP कार्तिकेय शर्मा ने बताया, घटना के बारे में सबसे पहले पीड़िता के परिवार को जानकारी दी गई थी। लड़की के साथ यौन हिंसा से इनकार नहीं किया जा सकता है। परिवार ने हमें लड़की के 5 कपड़े दिए थे। एक कपड़े से स्पर्म मिला। SSP ने माना कि लापरवाही हुईः SSP ने स्वीकार किया कि चित्रगुप्त नगर थाना की SHO स्तर पर लापरवाही पाई गई, जिसके बाद संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई की गई है। वहीं SDPO सचिवालय-1 अनु कुमारी ने जानकारी दी कि अनुसंधान के दौरान अस्पताल से "लामा रिपोर्ट" भी जब्त की गई है, जिसे केस डायरी का हिस्सा बनाया गया है। हॉस्टल के CCTV के बारे में बतायाः हॉस्टल के DVR को सीज किया गया। इसके बाद उसके वीडियो की जांच करवाई गई। 5 जनवरी को दोपहर को छात्रा अपनी एक दोस्त के साथ कमरे में जाती दिखी थी। इसके बाद वो 2 मिनट के कमरे से बाहर आई। इसके बाद वो अपने कमरे से बाहर नहीं निकली। 6 जनवरी को लड़की को नाश्ते के लिए आवाज दी गई। उसने आवास नहीं दी। इसके बाद हॉस्टल स्टाफ ने दरवाजा खोला। हॉस्टल पहुंचने से पहले लड़की पटना जंक्शन के CCTV कैमरे में हुई थी। जिस ऑटो से वो हॉस्टल पहुंची उसके ड्राइवर से भी बात की गई। पीड़ित परिवार को दोषी ठहराने की कोशिशः पीड़िता के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर यह तथ्य सामने आया है कि वह 27 तारीख से लेकर 5 तारीख को पटना आने तक अपने घर पर ही थी। इस दौरान के सभी कॉल डिटेल, लोकेशन और डिजिटल साक्ष्य की भी जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मामले को अत्यंत संवेदनशील मानते हुए हर पहलू की गहराई से जांच की जा रही है। DNA मिलान, डिजिटल साक्ष्य, मेडिकल रिपोर्ट और गवाहों के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने अपील की है कि जांच पूरी होने से पहले किसी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दिया जाए।

लड़की 5 जनवरी को अपनी दोस्त के साथ हॉस्टल में आई थी। सब कुछ नॉर्मल था। परिवार मामले में केस दर्ज नहीं करवाना चाहता था। सिटी SP (पूर्वी) परिचय कुमार ने बताया कि पीड़िता ने पटना लौटते समय अरवल मोड़ के पास दवा खरीदी थी और उसी का सेवन किया था। इस पहलू की भी मेडिकल और फॉरेंसिक स्तर पर जांच की जा रही है।

पटना का नाम पाटलिपुत्र करने की मांग राज्यसभा में उठी

एजेंसी, पटना

- उपेंद्र कुशवाहा ने राज्यसभा में रखी मांग कहा- पाटलिपुत्र नाम गौरव का प्रतीक

राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान राज्यसभा सदस्य और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाह ने पटना का नाम पाटलिपुत्र रखने की मांग उठाई। उपेंद्र कुशवाहा राष्ट्रपति की अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान बातें रखी। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा,'महामहिम राष्ट्रपति ने अपने भाषण में अतीत के क्षणों को याद करते हुए कहा कि जब देशवासी अतीत के महान पड़ावों और अपने पूर्वजों के महान योगदान को याद करते हैं तो नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। यह प्रेरणा विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा को गति देती है। महामहिम के इन पंक्तियों से हमें भारत का वह कालखंड याद आता है, जब इस देश को सोने की चिड़िया कहा जाता था।' उन्होंने कहा, 'मौर्य काल के वक्त हमारे देश की सीमा बांग्लादेश, भूटान, अफगानिस्तान, नेपाल सब भारत की सीमा में हुआ करता था। इसके प्रतीक चिन्ह आज भी अतीत के रूप में हमारे सामने हैं। इसलिए हमारी ड्यूटी बनती है कि हम उन कालखंडों पर जो धूल पड़ा है, उसको साफ करें और जीवंत बनाने का काम करें।'

मौर्य साम्राज्य के गौरव की दिलाई यादः इस दौरान उपेंद्र कुशवाहा ने कहा, 'मैं कुछ महत्वपूर्ण सुझाव हैं, जिसे सरकार के समक्ष रखना चाहता हूं। बिहार जब मौर्य का शासन था, उस समय बिहार का गौरव और सम्मान पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा था। मौर्य काल के समय में बिहार का इतिहास गौरवान्वित करने वाला है। इनके चिन्ह हर जगह मशहूर हैं।

बंबई का नाम मुंबई हुआ तो अब पटना का नाम पाटलिपुत्र हो- उपेंद्र कुशवाहाः उपेंद्र कुशवाहा ने सदन में अपनी बात रखते हुए कहा कि, 'इससे पहले कलकत्ता का नाम कोलकाता किया गया। ठीक उसी तरह उड़ीसा का ओडिशा और बंबई का नाम बदलकर मुंबई रखा गया। जब सब शहरों के नाम बदले जा सकते हैं, फिर पटना का नाम पाटलिपुत्र क्यों नहीं किया जा सकता है।

रिटायर्ड महिला टीचर मौत केस हो सकती है खुदकुशी, पुलिस कर रही जांच

एजेंसी, पटना

- फिंगरप्रिंट्स से खुल सकता मामला, गले-हाथ पर हल्के कट के थे निशान

पटना के शास्त्री नगर इलाके के AG कॉलोनी पार्क से सटे एक मकान में 17 जनवरी 2026 को रिटायर्ड महिला टीचर माधवी कुमारी (78) की संदिग्ध परिस्थिति में बॉडी मिली थी। गर्दन पर धारदार हथियार से कटने के निशान पाए गए थे। इस मामले में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आ गई है। हालांकि अभी तक हत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। घटना के वक्त पुलिस ने बेड के पास से एक ब्लेड बरामद किया था। इस ब्लेड को FSL जांच में भेजा गया है। ब्लेड पर किसके फिंगरप्रिंट हैं, जांच रिपोर्ट आने के बाद ही क्लियर हो पाएगा। पुलिस सूत्रों की मानें तो फिलहाल पुलिस हत्या और सुसाइड दोनों एंगल से इस मामले की जांच कर रही है।

पति की 2023 में हुई थी मौतः मृतक महिला धार्मिक प्रवृत्ति की थीं। घटना से पहले उसी घर में पूजा पाठ भी कराई थीं। महिला की एक बेटी और 2 बेटे हैं। बड़ा बेटा उज्ज्वल देहरादून में प्रोफेसर है। दूसरा बेटा उत्कल कुमार दिल्ली में मल्टीनेशनल बैंक ऑफ अमेरिका में अधिकारी है। पति अमरेंद्र कुमार दास AG ऑफिस में अधिकारी थे और 2008 में रिटायर्ड हुए थे। उनकी मौत 2023 में हुई थी। सुसाइड की ओर इशारा

लॉ एंड ऑर्डर सचिवालय SDPO 2 साकेत कुमार ने बताया कि FSL रिपोर्ट आने के बाद ही किसी नतीजे तक पहुंच पाएंगे। सीसीटीवी कैमरे में कोई भी स्पेक्ट नहीं दिखा है। कमरे के अंदर जबरन घुसने के साक्ष्य नहीं मिले हैं। मृतक महिला की हैंडराइटिंग FSL को फिंगरप्रिंट के लिए भेजी गई है। गले पर भी डीप कट के निशान नहीं थे। इसके अलावा दोनों हाथ के नस भी हल्के-हल्के कटे थे। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट भी सुसाइड की ओर इशारे कर रहे हैं। परिजनों ने भी किसी पर सीधा आरोप नहीं लगाया है। फिलहाल इन्वेस्टिगेशन जारी है।

जदयू में शामिल रियाजुल हक बोले-राजद पूंजीपतियों की पार्टी बनी

एजेंसी, पटना

- कहा- नीतीश कुमार के काम का समर्थक रहा हूं, विधायक अमरेंद्र पांडे बोले- वो जमीनी स्तर के नेता

जेडीयू कार्यालय में बुधवार को मिलन समारोह का आयोजन किया गया। रेयाजुल हक राजू अपने समर्थकों के साथ जनता दल यूनाइटेड में शामिल हो गए। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, जेडीयू एमएलसी खालिद अनवर, मंत्री श्रवण कुमार और जेडीयू विधायक अमरेंद्र पांडे मौजूद रहे। सभी नेताओं ने रियाजुल और उनके समर्थकों का पार्टी में स्वागत किया। मिलन समारोह में प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा कि जेडीयू लगातार समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। रेयाजुल हक राजू के आने से संगठन को मजबूती मिलेगी। उन्होंने भरोसा जताया कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में जेडीयू बिहार के विकास के एजेंडे को और तेज करेगी।

अमरेंद्र पांडे बोले- रियाजुल जमीनी स्तर पर काम करतेः इस मौके पर जेडीयू विधायक अमरेंद्र पांडे ने भी रियाजुल हक राजू के पार्टी में शामिल होने का स्वागत किया और कहा कि जमीनी स्तर पर काम करने वाले नेताओं के आने से पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी। वहीं, मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नीतियों और विकास कार्यों से प्रभावित होकर लगातार लोग जेडीयू से जुड़ रहे हैं। पार्टी में शामिल होने के बाद रेयाजुल हक राजू ने कहा कि वे भले ही पहले किसी अन्य दल में रहे हों, लेकिन मन से हमेशा नीतीश कुमार के समर्थक रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार के लिए जो काम किया है, वह किसी से छिपा नहीं है और वे लंबे समय से उनके कार्यों के प्रशंसक रहे हैं।

रेयाजुल बोले- राजद अब पूंजीपतियों की पार्टी बन चुकी हैः रेयाजुल हक राजू ने राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि राजद अब पूंजीपतियों की पार्टी बन चुकी है, इसी वजह से उन्होंने उस पार्टी को छोड़ने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि जेडीयू ही एक ऐसी पार्टी है जो सामाजिक न्याय के साथ विकास की राजनीति करती है। रियाजुल हक ने मुस्लिम समाज के लोगों से भी अपील की कि वे राजद छोड़कर जेडीयू से जुड़ें और नीतीश कुमार के विकास मॉडल को मजबूत करें।

रेयाजुल हक उर्फ़ राजू लंबे समय तक राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से जुड़े रहे और 2025 में विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में शामिल हुए। राजू गोपालगंज जिले की बरौली विधानसभा सीट से सक्रिय रहे हैं और 2025 के विधानसभा चुनाव में बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा। हालांकि उन्हें जीत नहीं मिली, लेकिन उनके चुनाव लड़ने से महागठबंधन के वोट समीकरण पर असर की चर्चा हुई। महागठबंधन सरकार के कार्यकाल में उन्हें बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष बनाया गया था। इस दौरान वे अल्पसंख्यक मुद्दों पर सरकार और प्रशासन के साथ संवाद का चेहरा रहे। उनके कार्यकाल में कोई बड़ा प्रशासनिक विवाद सामने नहीं आया, लेकिन राजनीतिक नियुक्ति को लेकर विपक्ष ने सवाल जरूर उठाए।

संक्षिप्त समाचार

सुगौली टॉल प्लाजा के कर्मियों पर एफआईआर दर्ज

बीएनएम @ मोतिहारी। सुगौली टॉल प्लाजा के कर्मियों के खिलाफ सुगौली थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। राजस्थान से रक्सौल जा रहे एक ट्रक चालक से अधिक वजन के नाम पर अवैध वसूली किए जाने के मामले में यह कार्रवाई हुई है। बताया गया है कि इस मामले को लेकर ट्रक मालिक ने राजस्थान से ही मोतिहारी के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात से लिखित शिकायत की थी। शिकायत की जांच के बाद एसपी के निर्देश पर सुगौली थाना में टॉल प्लाजा कर्मियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और टॉल प्लाजा पर अवैध वसूली के आरोपों की विस्तृत पड़ताल की जा रही है। आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्ष के आधार पर की जाएगी।

छापेमारी में भारी मात्रा में नेपाली शराब बरामद, अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। नगर थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी के दौरान प्रकाश चौधरी के घर में बने तहखाने से 57 लीटर देशी/नेपाली शराब बरामद की गई। मौके से एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है। मामले में आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। वहीं कुंडवाचैनपुर थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर एसएसबी के साथ संयुक्त छापेमारी की गई। इस दौरान 420 बोतल नेपाली शराब, जिसकी कुल मात्रा 126 लीटर है, बरामद की गई। इस मामले में भी अग्रिम कार्रवाई जारी है। इधर महुआवा थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना पर की गई कार्रवाई में 90 लीटर नेपाली शराब के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस द्वारा आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

20 हजार के इनामी डकैती आरोपी की गिरफ्तारी

STF व DIU की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता

बीएनएम @ संग्रामपुर। संग्रामपुर थाना कांड संख्या 21/22 से जुड़े डकैती मामले में फरार चल रहे 20 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई STF (स्पेशल टास्क फोर्स) एवं DIU टीम के संयुक्त सहयोग से की गई। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मिथुन राम, पिता–सुरेंद्र राम, निवासी–जागापाकड़, थाना–हरसिद्धि, जिला–पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) के रूप में हुई है। अभियुक्त लंबे समय से डकैती कांड में फरार था, जिस पर पुलिस अधीक्षक द्वारा 20,000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में अभियुक्त को धर-दबोचा गया। गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ की गई, जिसके उपरांत उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। मामले में आगे की विधिसम्मत कार्रवाई जारी है। पुलिस अधीक्षक ने इस गिरफ्तारी को संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए STF एवं DIU टीम की सराहना की है। यह कार्रवाई अपराधियों के खिलाफ पुलिस की सख्त नीति और प्रभावी समन्वय का प्रमाण मानी जा रही है।

तुरकौलिया के दो गांवों से छात्रा सहित दो युवतियों का अपहरण

परिजनों ने थाने में दर्ज कराई एफआईआर, बरामदगी में जुटी पुलिस

बीएनएम @ तुरकौलिया। तुरकौलिया थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग गांवों से छात्रा सहित दो युवतियों के अपहरण का मामला सामने आया है। दोनों मामलों में अगवा युवतियों के परिजनों ने थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच करते हुए युवतियों की बरामदगी के प्रयास में जुटी हुई है। एक मामले में छात्रा के पिता ने थाना में दिए आवेदन में बताया है कि उनकी पुत्री दोपहर में इलाज कराने की बात कहकर घर से तुरकौलिया गई थी, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटी। काफी खोजबीन के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। पुत्री के अचानक लापता होने से परिजन अनहोनी की आशंका को लेकर चिंतित हैं। वहीं दूसरे मामले में एक युवती के पिता ने आवेदन में बताया है कि उनकी पुत्री दिन में मक्का खेत देखने के लिए घर से निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। खोजबीन के दौरान जानकारी मिली कि बसवरिया निवासी विनोद साह के पुत्र विक्की कुमार उनकी पुत्री को बाइक पर बैठाकर मोतिहारी की ओर ले गया है। पीड़ित पिता के अनुसार जब वे लोग आरोपी के घर पूछताछ के लिए गए, तो वहां मौजूद लोगों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और धमकी दी कि उनकी बेटी अब वापस नहीं आएगी। पुलिस दोनों मामलों की गंभीरता से जांच कर रही है और युवतियों की सकुशल बरामदगी के लिए छापेमारी सहित अन्य कार्रवाई की जा रही है।

वार्ड सदस्य के घर चोरी छत के रास्ते घुसे चोर, तीन लाख के जेवरात व कपड़े ले उड़े

बीएनएम @ तुरकौलिया। तुरकौलिया थाना क्षेत्र के जयसिंहपुर पूर्वी पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या–4, पुलवाघाट में चोरों ने वार्ड सदस्य के घर से करीब तीन लाख रुपये मूल्य के जेवरात और कीमती कपड़ों की चोरी कर ली। चोरों ने छत के रास्ते घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित वार्ड सदस्य विनोद बैठा के आवेदन पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। विनोद बैठा ने बताया कि वे सपरिवार रात में खाना खाकर सो गए थे। सुबह जब जागे तो देखा कि घर के जिस कमरे में सामान रखा था, उसका ताला टूटा हुआ है तथा वहां से दो पेटी और तीन अटैची गायब हैं। खोजबीन के दौरान घर से लगभग 100 गज की दूरी पर खेत में पेटी और अटैची टूटी हुई अवस्था में मिली। चोरों ने उनमें रखे 20 हजार रुपये नकद, करीब तीन लाख रुपये के जेवरात और कीमती कपड़े निकाल लिए थे। चोरी गए सामान में भावज के जेवरात तथा भतीजी की शादी के लिए खरीदे गए गहनों में सोने के सात और चांदी के पांच आभूषण शामिल बताए गए हैं। घटना के बाद पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की। पुलिस चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से लोगों में भय का माहौल है और कई परिवार रात में जागकर पहरा देने को मजबूर हैं।

मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाण पत्र का वितरण

बीएनएम @ मोतिहारी @ अवनीश कुमार सिंह

सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (सेन्ट आरसेटी), पूर्वी चंपारण द्वारा आयोजित मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षुओं के बीच बुधवार को सदर प्रखंड स्थित रुलही गांव में सुमन चौधरी के दरवाजा पर प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। कार्यक्रम में आरसेटी निदेशक बिपिन कुमार ने सफल प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

स्वरोजगार का सशक्त माध्यम है मशरूम उत्पादनः–इस अवसर पर प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए आरसेटी निदेशक बिपिन कुमार ने कहा कि मशरूम उत्पादन कम लागत में अधिक आय देने वाला स्वरोजगार का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि सही तकनीक, नियमित अभ्यास और बाजार की समझ के साथ प्रशिक्षु इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकते हैं। संस्थान का मुख्य उद्देश्य बेरोजगार ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना है।

तकनीकी जानकारी और ऋण प्रक्रिया पर मार्गदर्शनः–कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं को मशरूम उत्पादन से जुड़ी तकनीकी जानकारी, विपणन के अवसर तथा बैंक से ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में निदेशक द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया।

पंचायत प्रतिनिधियों से संवादः–कार्यक्रम के दौरान आरसेटी निदेशक बिपिन कुमार ने स्थानीय पंचायत समिति सदस्य प्रिया चौधरी से भी मुलाकात की और आरसेटी द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार कार्यक्रमों की जानकारी साझा की गई।

प्रशिक्षुओं के कार्य का अवलोकनः–इस अवसर पर आरसेटी निदेशक श्री कुमार ने प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षुओं द्वारा उगाए गए मशरूम का अवलोकन किया और उनके प्रयासों की सराहना करते हुए हर्ष व्यक्त किया। उक्त कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ, जिसमें संस्थान के कर्मी सहित प्रशिक्षुओं की ओर से सुमन चौधरी, धनई राम सहित अन्य उपस्थित रहे।

'ऑपरेशन क्लीन' : तस्करों के मंसूबे हुए फेल, 15.8 किलो गांजा जब्त

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले में नशे के सौदागरों के खिलाफ पुलिस की "जीरो टॉलरेंस" नीति का बड़ा असर देखने को मिला है। गोविंदगंज पुलिस ने एक साहसिक ऑपरेशन को अंजाम देते हुए पहाड़पुर-अरेराज मार्ग पर मौत के सामान की एक बड़ी खेप को जब्त कर लिया है। गश्ती दल की पैनी नजरों ने सड़क से गुजर रही एक संदिग्ध बाइक को जैसे ही रोका, तस्करों की घबराहट ने उनके काले कारनामों की पोल खोल दी। सघन तलाशी के दौरान बाइक से 15.8 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाला अवैध गांजा बरामद किया गया, जिसे बाजार में खपाने की तैयारी थी। पुलिस ने मौके से सरेया मुनिया टोला के शातिर तस्कर सूरज कुमार और राज कुमार को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। यह पूरी कार्रवाई प्रशासन और पुलिस के सटीक समन्वय का उदाहरण रही। मौके पर खुद प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) आदित्य नारायण दीक्षित, थानाध्यक्ष राजू मिश्रा और अपर थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार ने कमान संभाल रखी थी। अधिकारियों की इस मौजूदगी ने साफ कर दिया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों के व्यापार पर अब सीधे प्रहार होगा। बरामद गांजे की भारी मात्रा इस बात की ओर इशारा कर रही है कि यह किसी बड़े अंतर्राज्यीय सिंडिकेट का हिस्सा हो सकता है। फिलहाल, पुलिस की स्पेशल टीम गिरफ्तार तस्करों की कुंडली खंगाल रही है ताकि इस काले साम्राज्य के असली 'आकाओं' तक पहुँचा जा सके। इस बड़ी कामयाबी ने नशा तस्करों के हौसले तोड़ दिए हैं और आम जनता के बीच खाकी का इकबाल और बुलंद हुआ है।

महापौर द्वारा द्वितीय पाली की सफाई व्यवस्था का किया गया औचक निरीक्षण, लापरवाही पर सख्त निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत शहर की प्रमुख सड़कों पर द्वितीय पाली में संचालित सफाई व्यवस्था का कल महापौर प्रीति कुमारी द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान महापौर ने हिन्दी बाजार चौक पर उपस्थित स्थानीय नागरिकों से संवाद कर सफाई व्यवस्था की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त की। वहीं संवाद के क्रम में शहरवासियों ने संबंधित एजेंसी द्वारा सफाई कार्य में लापरवाही बरते जाने की शिकायतें दर्ज कराईं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए महापौर श्रीमती कुमारी ने मौके पर उपस्थित एजेंसी के सुपरवाइजर को कड़े निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था में तत्काल, प्रभावी एवं स्थायी सुधार सुनिश्चित किया जाए। उक्त निरीक्षण के दौरान संबंधित रूट पर कार्यरत सफाई कर्मियों की उपस्थिति की भी जांच की गई, जिसमें निर्धारित मानक की तुलना में कर्मियों की संख्या कम पाई गई। इस पर महापौर द्वारा संबंधित एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि निर्धारित संख्या के अनुरूप सफाई कर्मियों की अविलंब नियुक्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि शहर की स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित न हो। नगर निगम मोतिहारी द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाए रखने के उद्देश्य से सभी वार्डों में प्रातः एवं रात्रि दोनों पालियों में मुख्य सड़कों की नियमित सफाई कराई जा रही है। नगर निगम यह भी स्पष्ट करता है कि भविष्य में यदि किसी एजेंसी द्वारा सफाई कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाई जाती है, तो उसके विरुद्ध कठोर एवं नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम मोतिहारी आम नागरिकों से अपील करता है कि वे शहर की स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय सहयोग करें और स्वच्छ मोतिहारी के निर्माण में अपनी सहभागिता निभाएं।

केशर राज का एशियन कैडेट एवं जूनियर फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 के लिए चयन

बीएनएम @ मोतिहारी

जीवन इंटरनेशनल स्कूल के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है कि विद्यालय की छात्रा केशर राज का चयन एशियन कैडेट एवं जूनियर फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 के लिए हुआ है, जो जकार्ता, इंडोनेशिया में आयोजित की जाएगी। वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। केशर राज का यह चयन उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और फेंसिंग खेल में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम है। यह उपलब्धि विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ खेलों को दिए जा रहे महत्व को दर्शाती है। "एशियन स्तर की प्रतियोगिता के लिए केशर राज का चयन पूरे विद्यालय के लिए गर्व की बात है। उसकी मेहनत, अनुशासन और खेल भावना हमारे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। हमें पूर्ण विश्वास है कि वह देश और विद्यालय का नाम रोशन करेंगी।" विद्यालय के प्रबंधन मंडल, मनोज रंजना, जीवन प्रकाश एवं स्वर्णिम श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से केशर राज को बधाई दी। प्रबंधन ने कहा कि "एशियन स्तर की प्रतियोगिता के लिए केशर राज का चयन पूरे विद्यालय के लिए गर्व की बात है। उसकी मेहनत, अनुशासन और खेल भावना हमारे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। हमें पूर्ण विश्वास है कि वह देश और विद्यालय का नाम रोशन करेंगी।"यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी तथा विद्यालय भविष्य में भी छात्रों को हर संभव शैक्षणिक एवं खेल सहयोग प्रदान करता रहेगा।विद्यालय के प्रधानाचार्य रितेश वर्मा ने भी केशर राज को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता अनुशासन, निरंतर अभ्यास और सही मार्गदर्शन का परिणाम है तथा ऐसे उपलब्धियाँ विद्यालय की सकारात्मक शैक्षणिक सोच को सशक्त बनाती हैं। विद्यालय के शिक्षकगण ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि केशर राज की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। विद्यालय परिवार ने केशर राज को प्रतियोगिता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

मेहसी में पहली बार "ख़त्म-ए-बुख़ारी शरीफ़" की नूरानी महफ़िल का हुआ आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला के मेहसी प्रखंड में धार्मिक एवं शैक्षिक इतिहास के पन्नों में एक महत्वपूर्ण अध्याय उस समय जुड़ गया, जब मदरसा फातिमा-तुज़-ज़हरा लिल-बनात, दामोदरपुर के तत्वावधान में "रस्म-ए-इख़्तताम-ए-बुख़ारी शरीफ़" का भव्य, गरिमामय एवं ईमान-अफ़रोज़ आयोजन संपन्न हुआ। यह आयोजन मेहसी प्रखंड के इतिहास में पहली बार किसी शैक्षणिक संस्था द्वारा "ख़त्म-ए-बुख़ारी शरीफ़" की मुकम्मल तक़रीब के रूप में दर्ज हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर क्षेत्र के उलेमा-ए-किराम, समाजसेवी, बुद्धिजीवी वर्ग एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता तथा अंतिम दर्स-ए-बुख़ारी शरीफ़ का सौभाग्य क़ाज़ी-ए-शहर मुज़फ्फरपुर, इल्म-ओ-हिल्म के पैकर हज़रत अल्लामा मौलाना मुफ्ती शमीमुल क़ादरी को प्राप्त हुआ।अपने प्रभावशाली एवं ज्ञानवर्धक संबोधन में मुफ्ती शमीमुल क़ादरी ने इरशादात-ए-नबवी की रोशनी में हदीस शरीफ़ की अहमियत, इल्म-ए-दीन की ज़िम्मेदारी और समाज में इस्लामी तालीम की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके बयान से पूरा माहौल नूर-ए-ईमान से सराबोर हो गया। उन्होंने मदरसा फातिमा-तुज़-ज़हरा लिल-बनात के संस्थापक हज़रत अल्लामा मुफ्ती मोहम्मद कुतुबुद्दीन रिज़वी के प्रयासों की खुलकर सराहना करते हुए कहा कि एक पिछड़े क्षेत्र में बालिकाओं के लिए दर्स-ए-निज़ामी जैसी उच्चस्तरीय इस्लामी शिक्षा की व्यवस्था स्थापित करना न केवल सराहनीय, बल्कि ऐतिहासिक कदम है। यह संस्था आज धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सुधार और दीन की ख़िदमत का सशक्त माध्यम बन चुकी है। मदरसा फातिमा-तुज़-ज़हरा लिल-बनात वर्तमान में मेहसी क्षेत्र में बालिकाओं की धार्मिक, नैतिक एवं शैक्षणिक उन्नति का एक मजबूत केंद्र बनकर उभर रहा है। कार्यक्रम का समापन उम्मत-ए-मुस्लिमा की सलामती, देश में अमन-ओ-शांति, सामाजिक सौहार्द तथा संस्था की निरंतर प्रगति के लिए सामूहिक दुआ के साथ किया गया।अंत में मदरसा प्रशासन की ओर से सभी सहयोगियों, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों का आभार प्रकट करते हुए अपील की गई कि वे इस संस्थान की तरक्की और कामयाबी के लिए विशेष दुआ करते रहें, ताकि यहाँ से शिक्षा प्राप्त करने वाली छात्राएँ दीन और समाज की सच्ची ख़िदमत कर सकें।

सीमावर्ती ग्रामीणों के लिए एसएसबी द्वारा आयोजित नेत्र चिकित्सा शिविर

बीएनएम @ मोतिहारी

71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, मोतिहारी द्वारा कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन में वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम (वीवीपी-द्वितीय) के अंतर्गत महुआवा स्थित संत कबीर उच्च विद्यालय, कटकेनवा में मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन बुधवार को किया गया। इस शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छौड़ादानो के डॉ. कार्तिकेश द्वारा नेत्र परीक्षण हेतु बाह्य रोगी विभागीय जांच की गई, जिसमें सीमावर्ती ग्रामीणों को व्यापक स्तर पर निःशुल्क उपचार एवं निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। इसके साथ ही निरीक्षक राजकुमार शील द्वारा ग्रामीणों को हृदयाघात से बचाव के उपायों तथा हृदय-फेफड़ा पुनर्जीवन प्रक्रिया (सीपीआर) के बारे में जानकारी दी गई और यह भी बताया गया कि यह प्रक्रिया कब और कैसे दी जाती है। उक्त कार्यक्रम के उपरांत ग्रामीणों से स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया गया तथा यह बताया गया कि अपने आसपास पानी जमा न होने दें, अन्यथा मच्छरों का प्रकोप बढ़ेगा जिससे विभिन्न बीमारियां फैल सकती हैं।

कथित फर्जी संपादक पर शिकंजा कसने की मांग, अयोध्या टाईम्स के प्रकाशक ने मोतिहारी नगर थाना में दिया आवेदन

बीएनएम @ मोतिहारी

दैनिक अयोध्या टाईम्स से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। अखबार के प्रकाशक बृजेश कुमार मौर्य ने मोतिहारी नगर थाना में इस समाचार पत्र के स्वम्भु संपादक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने हेतु लिखित आवेदन दिया है।यह आवेदन निबंधित पत्र एवं ई-मेल के माध्यम से भेजा गया है, जिसकी प्रतिलिपि निदेशक आईपीआरडी बिहार (पटना), जिलाधिकारी मोतिहारी, डीपीआरओ मोतिहारी तथा पुलिस अधीक्षक मोतिहारी को भी प्रेषित की गई है। प्रकाशक बृजेश कुमार मौर्य, जो उत्तर प्रदेश के कानपुर निवासी हैं, ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि संबंधित व्यक्ति जो खुद को संपादक और अखबार का जिम्मेदार पदाधिकारी बताकर न केवल धोखाधड़ी की, बल्कि जिलाधिकारी मोतिहारी के विभागीय प्रेस विज्ञप्ति वाले आधिकारिक ग्रुप में भी अवैध रूप से अपना नाम जुड़वा लिया। इसे उन्होंने गंभीर कदाचार बताते हुए तत्काल ग्रुप से नाम हटाने की मांग की है। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि उक्त व्यक्ति द्वारा फर्जी तरीके से कई पत्रकारों की नियुक्ति कर पत्रकारिता की आड़ में गैरकानूनी गतिविधियाँ की जा रही हैं। प्रकाशक ने मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर तथाकथित संपादक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए, उसके द्वारा नियुक्त सभी फर्जी पत्रकारों को ब्लैकलिस्ट किया जाए तथा इस प्रक्रिया में संलिप्त प्रिंटिंग प्रेस मालिक को भी आरोपी बनाया जाए। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए डीपीआरओ मोतिहारी कार्यालय के अधिकारी ने बताया कि प्रकरण फिलहाल पुलिस जांच के अधीन है। जांच पूरी होने के बाद विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जल्द ही सभी संपादकों एवं ब्यूरो प्रमुखों से अधिकृत संवाददाताओं की सूची मंगाकर संबंधित विभागों को सूचित किया जाएगा, ताकि भविष्य में इस तरह की गड़बड़ियों पर रोक लगाई जा सके।

गांधी की कर्मभूमि को जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय फलक पर किया गौरवान्वित : ऋतिक

» बी.एन.पी. प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड ने किया सम्मानित

बीएनएम @ मोतिहारी

विगत लोकसभा चुनाव तथा बिहार विधानसभा चुनाव में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नए कीर्तिमान स्थापित करने वाले पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल को लगातार दूसरी बार भारत की महामहिम राष्ट्रपति के करकमलों से सम्मानित किए जाने पर चंपारण सहित पूरा बिहार गौरवान्वित हुआ है। विधानसभा चुनाव में निर्वाचन प्रक्रिया में उत्कृष्ट तकनीकी अनुप्रयोग के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपरांत, राष्ट्रीय मतदाता दिवस (25 जनवरी 2026) के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल को सम्मानित किया गया था। इसी उपलक्ष्य में बी.एन.पी. प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड की ओर से जिलाधिकारी के कार्यालय कक्ष में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। बी.एन.पी. प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक ऋतिक विराज पाण्डेय के नेतृत्व में प्रोडक्शन टीम ने जिलाधिकारी को अंगवस्त्रम्, स्मृति-चिह्न (मेमेन्टो) एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर निदेशक ऋतिक विराज पाण्डेय ने कहा कि अपने श्रेष्ठतम कार्यों की बदौलत जन-जन के बीच लोकप्रिय जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने महात्मा गांधी की कर्मभूमि चंपारण के विकास में अप्रतिम योगदान दिया है। उनके प्रयासों से बापू का यह ऐतिहासिक क्षेत्र निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है, जिसे आने वाली पीढ़ियां लंबे समय तक स्मरण रखेंगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के हाथों सम्मान प्राप्त कर जिलाधिकारी ने पूरे चंपारण और बिहार को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। वहीं बी.एन.पी. प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के हेड ऑफ प्रोडक्शन प्रतीक राजवीर ने कहा कि जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एक अत्यंत प्रतिभाशाली और कुशल प्रशासक हैं, जिन्हें मोतिहारी और बिहार ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर लगातार दूसरी बार महामहिम राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाना गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी की उपलब्धियां और कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने इस सम्मान के लिए बी.एन.पी. प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रोडक्शन टीम की ओर से प्रतीक राजवीर, आदित्य सिंह एवं अनिल कुमार उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

कलश में जल भरकर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

बीएनएम@ भागलपुरः भागलपुर के पासी टोला दुर्गास्थान में शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन का शुभारंभ बुधवार को पंचांग पूजन के साथ किया गया।आयोजन के तहत कलश शोभा यात्रा पासी टोला दुर्गास्थान से प्रारंभ होकर के.बी. लाल रोड होते हुए बाबा मनसकामना नाथ मंदिर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने कलश में जल भरा। इसके बाद कलश शोभा यात्रा मारवाड़ी पट्टी होते हुए नर्सिंग भगवान ठाकुर स्थान पहुंची और पुनः पासी टोला दुर्गा मंदिर लौटी। इस अवसर पर आयोजित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है।आयोजन के निवेदक जिला पासी नवयुवक संघ एवं समस्त पासी समाज नाथनगर हैं। पूजा-अर्चना का दायित्व पुरोहित पंडित माना शुक्ला द्वारा निभाया जा रहा है, जबकि यजमान शम्भू चौधरी सपत्नी विधिवत पूजन में शामिल हुए।मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष उमेश कांत चौधरी, कोषाध्यक्ष रामेश्वर चौधरी, समाजसेवी विजय कुमार यादव, मुन्ना यादव, शंकर चौधरी, बिक्रम चौधरी, इंद्रदेव चौधरी, पन्नालाल चौधरी, रवि चौधरी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, बाइक जब्त

बीएनएम@ योगापट्टी संवाददाता : योगापट्टी थाना पुलिस ने शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करते हुए बुधवार को फतेहपुर मुशहरोटी गांव में बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी में पुलिस ने दो शराब तस्करों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया, जिनके पास से 91 पीस विदेशी शराब (कुल 16.380 लीटर) और तस्करी में प्रयुक्त पैशन प्रो मोटरसाइकिल बरामद की गई।गिरफ्तार तस्करों की पहचान नवलपुर के बेचू यादव और खैरटिया बलुआ के अखिलेश राय के रूप में हुई है। थाना प्रभारी अभिराम सिंह ने बताया कि तस्कर मोटरसाइकिल के जरिए शराब की खेप ठिकाने लगाने जा रहे थे, तभी घेराबंदी कर उन्हें दबोच लिया गया। पुलिस ने बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को बेतिया न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

मंदिर के पास होर्डिंग क्षतिग्रस्त

बीएनएम@ पटना। सारण जिले के गड़खा थाना क्षेत्र अंतर्गत रघुपुर ग्राम में असामाजिक तत्वों द्वारा शिव मंदिर के समक्ष लगे झंडा होर्डिंग को क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है। इस घटना के कारण इलाके में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, लेकिन पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी ने किसी भी बड़ी अप्रिय घटना को टाल दिया। घटना की सूचना मिलते ही गड़खा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर-1) रामपुकार सिंह ने घटनास्थल का मुआयना किया। जांच में पाया गया कि अज्ञात शरारती तत्वों ने माहौल बिगाड़ने के उद्देश्य से होर्डिंग को नुकसान पहुंचाया था।फिलहाल गड़खा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर दोषियों की पहचान की जा रही है। सुरक्षा के लिहाज से क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर फैलने वाली किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और शांति व आपसी सौहार्द बनाए रखें। क्षेत्र में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में और शांतिपूर्ण है।

40 लीटर देशी शराब बरामद

बीएनएम@ योगापट्टी : नवलपुर थाना पुलिस ने शराब माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कौलापुर स्थित बिहारी यादव के टोला में खटहा नदी के किनारे छापेमारी की। बुधवार रात करीब 09:40 बजे हुई इस कार्रवाई में पुलिस ने 40 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की।थानाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी के दौरान तीन महिला तस्कर अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहीं। पुलिस ने फरार महिलाओं की पहचान कर ली है और उनके विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बरामद शराब को जब्त कर पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

पकड़ीदयाल को जिला बनाने की मांग तेज

खाकी बाबा मठ में हुई अहम बैठक, जिला संघर्ष समिति का गठन

बीएनएम @ पकड़ीदयाल

पूर्वी चंपारण जिले के पकड़ीदयाल स्थित खाकी बाबा मठ के प्रांगण में पकड़ीदयाल को जिला का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वार्ड पार्षद जवाहर प्रसाद कुशवाहा ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुकेश कुमार ने किया। बैठक में पकड़ीदयाल को जिला बनाने की आवश्यकता, इसके सामाजिक-प्रशासनिक लाभ तथा आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से इस मांग को लेकर जनआंदोलन तेज करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर पकड़ीदयाल जिला संघर्ष समिति का गठन किया गया। समिति में सिसहनी निवासी समाजसेवी मनीष कुमार सिंह को अध्यक्ष, पकड़ीदयाल निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक मनोज केशरी को सचिव तथा अजगरी निवासी डॉ. मुकेश कुमार को संयोजक बनाया गया। वहीं नगर पंचायत पकड़ीदयाल के मुख्य पार्षद शंभू पासवान एवं मुरारी प्रसाद को कोषाध्यक्ष, बड़का गांव निवासी पूर्व मुखिया विजय कुमार सिंह को प्रवक्ता तथा चंपारण के गांधी के नाम से प्रसिद्ध नारायण मुन्नी को मुख्य संरक्षक नियुक्त किया गया। समिति के उपाध्यक्ष के रूप में शिक्षक किरण कुमार, अभिषेक प्रकाश (पूर्व वार्ड पार्षद) एवं चंदन कुमार केशरी को जिम्मेदारी दी गई। संगठन सचिव के पद पर प्रमोद कुमार कुशवाहा, यशवंत कुमार तिवारी, शिक्षक संतोष कुमार सिंह, चोरमा निवासी विजय तिवारी को मनोनीत किया गया। इसके अलावा खैरवा निवासी पत्रकार चंद्रिका सिंह को मीडिया प्रभारी, संदीप तिवारी, दीपक अग्रवाल, प्रदीप कुमार यादव को सोशल मीडिया प्रभारी तथा सिसहनी निवासी पत्रकार राजू मुखिया को संरक्षक बनाया गया। समिति में डॉ. भैरव प्रसाद सिंह, मुंद्रिका सिंह, प्रभु प्रसाद सिंह, मड़पा निवासी पत्रकार डॉ. आलोक कुमार सिंह, धर्मेंद्र गोस्वामी एवं डॉ. डी.के. पांडेय को सदस्य के रूप में शामिल किया गया। बैठक में मौजूद सभी लोगों ने एक स्वर में पकड़ीदयाल को जिला का दर्जा दिलाने के लिए जनसमर्थन के साथ आंदोलन को और धार देने का संकल्प लिया।

अगलगी में फूस का घर जलकर राख, अनाज-कपड़ा-जेवर समेत हजारों की संपत्ति नष्ट

बीएनएम @ हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के हरसिद्धि पकड़िया पंचायत अंतर्गत पकड़िया गांव में मंगलवार देर रात अचानक आग लगने से मोतीलाल सहनी का फूस का घर जलकर राख हो गया। आग इतनी तेजी से फैली कि घर में रखे अनाज, बर्तन, कपड़े और कुछ जेवरात समेत हजारों रुपये की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। घटना के समय घर में मौजूद परिवार के सदस्य किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। आग की लपटें देखकर ग्रामीणों ने शोर मचाया और बाल्टी-डोल में पानी भरकर आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि, तब तक घर का अधिकांश सामान जल चुका था। ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास से आग को आसपास के घरों तक फैलने से रोक लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। अंचलाधिकारी अरविंद चौधरी ने बताया कि मामले की जांच के लिए राजस्व कर्मचारी विशाल कुमार को मौके पर भेजा गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से निर्धारित सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। अगलगी की इस घटना से पीड़ित परिवार के सामने भोजन और आवास की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र राहत व सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि प्रभावित परिवार को तत्काल सहारा मिल सके।

बेलवाराय बरवा टोला फायरिंग मामले में आरोपी

» लाइसेंसी हथियार व गोली के साथ किया आत्मसमर्पण

बीएनएम @तुरकौलिया

थाना क्षेत्र के बेलवाराय बरवा टोला गांव में दो पट्टीदारों के बीच हुई कहासुनी के दौरान फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपने लाइसेंसी हथियार और गोली के साथ आत्मसमर्पण किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान मनीष गिरी के रूप में हुई है। बताया गया है कि इस मामले में एक पक्ष के नरेश गिरी की पत्नी गायत्री देवी के फर्द बयान पर तुरकौलिया थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। प्राथमिकी में चचेरे भाई मनीष गिरी को नामजद आरोपी बनाया गया था। आरोप है कि मनीष गिरी ने अपने लाइसेंसी हथियार से फायरिंग की, जिससे गांव में दहशत का माहौल बन गया। फायरिंग की सूचना मिलते ही तुरकौलिया पुलिस रात में ही मौके पर पहुंची थी, लेकिन उस समय आरोपी फरार था। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी भी तुरकौलिया थाना पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर प्रभारी थानाध्यक्ष को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। प्रभारी थानाध्यक्ष रवि रंजन कुमार ने बताया कि आरोपी द्वारा प्रयुक्त लाइसेंसी हथियार को जब्त कर लिया गया है। साथ ही उसके हथियार लाइसेंस को रद्द कराने के लिए अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। आरोपी ने आत्मसमर्पण कर दिया है और उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया चल रही है।

नेपाल से 422 किलो गांजा की तस्करी नाकाम, ट्रक चालक गिरफ्तार

बीएनएम @रक्सौल

भारत–नेपाल सीमा पर मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ रक्सौल पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। हरैया थाना की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नेपाल से मुजफ्फरपुर जा रहे एक ट्रक से 422 किलो से अधिक गांजा बरामद किया है। इस कार्रवाई से अंतरराष्ट्रीय गांजा तस्करी नेटवर्क को करारा झटका लगा है। रक्सौल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद ने बताया कि हरैया थाना को खुफिया सूचना मिली थी कि नेपाल से आईसीपी रूट होते हुए ओवरब्रिज के रास्ते एक ट्रक में भारी मात्रा में गांजा की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस ने इलाके में सघन निगरानी शुरू की। इसी दौरान संदिग्ध ट्रक संख्या BR30GA1675 को रोककर तलाशी ली गई। जांच के दौरान ट्रक के तहखाने से लाल प्लास्टिक में लपेटे गए 29 बंडल गांजा बरामद किए गए, जिनका कुल वजन 422.196 किलोग्राम पाया गया। पुलिस के अनुसार यह गांजा नेपाल के बारा जिला अंतर्गत कलैया थाना क्षेत्र के नौतन बहुअरी गांव निवासी जयलाल साह के पुत्र संजय कुमार साह द्वारा तस्करी कर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने ट्रक सहित चालक को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है तथा इस तस्करी में शामिल अन्य आरोपियों और नेटवर्क के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का मानना है कि यह बरामदगी सीमा क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। मौके पर पुलिस निरीक्षक अंचल सुगौली संजीव मौआर, हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान, रक्सौल बीडीओ जयप्रकाश सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. सीतेश कुमार को आईसीएसएस

» आर की प्रतिष्ठित पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप

बीएनएम @पताही

प्रखंड क्षेत्र के जिहुली पंचायत निवासी डॉ.सितेश कुमार जो कि फिलहाल महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक है उनको भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) की प्रतिष्ठित पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप प्रदान की गई है। वर्ष 2019 से विभाग से जुड़े डॉ.सीतेश कुमार ने अपने शोध कार्यों के माध्यम से निरंतर अकादमिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एम.फिल.के दौरान उन्होंने आरटीपीएस अधिनियम पर गहन अध्ययन किया, जबकि पीएच.डी. में उन्होंने 'नोटा (NOTA)' विषय पर उल्लेखनीय शोध कार्य किया, जिसे वर्ष 2025 में सफलतापूर्वक पूर्ण किया। यह पोस्ट-डॉक्टोरल शोध उन्हें राजनीति विज्ञान विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सरिता तिवारी के निर्देशन में प्राप्त हुआ है। अपने पोस्ट-डॉक्टोरल शोध के अंतर्गत डॉ. सीतेश कुमार भारतीय इतिहास की महान शासिका देवी अहिल्याबाई होलकर को एक राजनीतिक विचारक के रूप में केंद्र में रखते हुए उनके भारतीय राजधर्म तथा कल्याण-आधारित शासन प्रणाली का विश्लेषण करेंगे। यह अध्ययन भारतीय राजनीतिक चिंतन में नैतिक शासन और लोककल्याण की अवधारणाओं को नई दिशा प्रदान करेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने डॉ. सितेश कुमार को बधाई देते हुए कहा कि "यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के सशक्त शोध परिवेश और अकादमिक उत्कृष्टता का सजीव प्रमाण है। देवी अहिल्याबाई होलकर जैसे प्रेरणास्रोत व्यक्तित्व पर आधारित यह अध्ययन भारतीय शासन परंपरा को समझने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। हमें विश्वास है कि उनका शोध राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को और ऊंचाइयों तक ले जाएगा।" विश्वविद्यालय परिवार ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए डॉ.सितेश कुमार के उज्ज्वल अकादमिक भविष्य की कामना की है। डॉ.सितेश कुमार की इस उपलब्धि पर जिहुली पंचायत समेत पूरे प्रखंड क्षेत्र में खुशी की लहर है साथ ही जिहुली पंचायत के सरपंच रितेश कुमार ने पंचायत के लिए गौरव का क्षण बताया उनके साथ पवन कुमार सिंह,डॉ गजेंद्र कुमार,नीरज कुमार,त्रिपुरारी सिंह सहित अनेकों गणमान्य लोगों ने डॉ.सितेश कुमार को इस सफलता पर बधाई दी साथ ही लोगो ने कहा कि यह उपलब्धि गांव के युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी।

20 हजार का इनामी डकैत गिरफ्तार

बीएनएम @पूर्वी चंपारण

एसटीएफ और डीआईओ की संयुक्त टीम ने 20 हजार रुपए के इनामी डकैत मिथुन राम को गिरफ्तार किया है।हरसिद्धि थाना क्षेत्र के जागपाकड़ गांव निवासी मिथुन राम लंबे समय से फरार चल रहा था।पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया कि मिथुन राम पर जिले के विभिन्न थानों में डकैती सहित कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी और उस पर 20 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि लंबे समय से फरार डकैत मिथुन राम अपने पैतृक गांव जागपाकड़ में है। सूचना की पुष्टि के बाद एसटीएफ और डीआईओ की टीम को अलर्ट किया गया। एक विशेष रणनीति के तहत छापेमारी कर पुलिस ने उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।फिलहाल पुलिस उसके आपराधिक नेटवर्क और अन्य फरार साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है।

बगहा पुलिस का बड़ा खुलासा 48 घंटे के भीतर सुलझी अहिरवलिया विस्फोटक केस की गुत्थी

पड़ोसी को फंसाने की साजिश में बेटा गिरफ्तार, मां फरार

बीएनएम @ बगहा

पुलिस जिला के चौतरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अहिरवलिया में तीन दिन पूर्व मिले अवैध विस्फोटक मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। बगहा के पुलिस अधीक्षक रामानंद कौशल ने अपने कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान बताया कि इस साजिश का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मामले का संक्षिप्त विवरण- 31 जनवरी 2026 की रात पुलिस को अहिरवलिया गांव में संदिग्ध विस्फोटक होने की सूचना मिली थी। तलाशी के दौरान पुलिस ने एक झोले से "APEX POWER 90" लिखे हुए तीन पीस विस्फोटक, दो सिल्वर डेटोनेटर और एक इलेक्ट्रिक मल्टीमीटर बरामद किया। बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुँचकर इन खतरनाक सामग्रियों को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय (डिफ्यूज) कर दिया था।

जांच और एसआईटी (SIT) की कार्रवाई- मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम (SIT) का गठन किया गया। एसआईटी ने तकनीकी और मानवीय अनुसंधान के जरिए महज 48 घंटों के भीतर खुलासा किया कि यह पूरी घटना एक सोची-समझी साजिश थी।

साजिश के पीछे का कारण- जांच में यह पाया गया कि आरोपी विध्यांशु राव उर्फ दिव्यांशु राव का अपने पड़ोसी नीरज राव उर्फ पिंटू से पुराना विवाद चल रहा था। अपने पड़ोसी को कानूनी पचड़े में फंसाने और जेल भेजने के उद्देश्य से विध्यांशु ने अपनी मां रंजू देवी के साथ मिलकर विस्फोटक सामग्री पड़ोसी के घर में फेंक दी और स्वयं पुलिस को इसकी गलत सूचना दी।

गिरफ्तारी और बरामदगी- पुलिस ने 3 फरवरी 2026 को मुख्य आरोपी विध्यांशु राव को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। फिलहाल उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है और उसकी फरार मां की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी जारी है। पुलिस अब विस्फोटक सामग्री के मुख्य स्रोत का पता लगाने में जुटी है।

तारिक अनवर ने रेलमंत्री को सौंपा 5 सूत्री मांग पत्र

बीएनएम @ कटिहार

सांसद तारिक अनवर ने भारत सरकार के रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर कटिहार और सीमांचल क्षेत्र के यात्रियों की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण मांग पत्र सौंपा। इस पत्र में कई महत्वपूर्ण ट्रेनों के फेरे बढ़ाने और एक ट्रेन के विस्तार की मांग की गई है, जिससे क्षेत्र के लाखों यात्रियों को लाभ मिलेगा। रेलमंत्री से तरीक अनवर ने मांग किया है कि मुजफ्फरपुर-एसएमवीटी बेंगलुरु ट्रेन, अगरतला-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस, और जोगबनी-कोलकाता एक्सप्रेस के फेरे बढ़ाए जाएं। इसके अलावा, कटिहार-हावड़ा एक्सप्रेस को प्रतिदिन चलाने और मालदा-सूरत ट्रेन का विस्तार कटिहार तक किया जाये। कटिहार जिला कांग्रेस के प्रवक्ता पंकज तमाखूवाला ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने तरीक अनवर को आश्वस्त किया है कि उनकी मांगों पर जल्द ही उचित कार्रवाई की जाएगी। इससे न केवल रेलवे का राजस्व बढ़ेगा, बल्कि क्षेत्र के यात्रियों, व्यापारियों, मजदूरों, विद्यार्थियों और रोगियों को भी लाभ मिलेगा।

बजट की जमीनी हकीकत जानने जिलों का दौरा करेंगे पीके: जन सुराज

बीएनएम @पटना

बजट पर प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती का कड़ा रुख

बिहार सरकार द्वारा हाल ही में प्रस्तुत बजट पर जन सुराज ने कड़ा प्रहार करते हुए इसे राज्य की जनता के साथ भद्दा मजाक करार दिया है। बुधवार को पटना स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती और राष्ट्रीय प्रवक्ता सौरभ कुमार ने सरकार की गंभीरता पर बड़े सवाल उठाए। जन सुराज का मुख्य आक्षेप बजट भाषण की अवधि को लेकर था, जो मात्र 11 मिनट 43 सेकंड में समाप्त हो गया। पार्टी के अनुसार, इतने कम समय में बिहार जैसे विशाल और पिछड़े राज्य के भविष्य की रूपरेखा तैयार करना सरकार की घोर संवेदनशीलता और लापरवाही को दर्शाता है।आर्थिक आंकड़ों पर चिंता जताते हुए सौरभ कुमार ने बताया कि वर्ष 2025 में प्रति व्यक्ति आय 68,624 रुपये थी, जिसमें 2026 के बजट में मात्र 20 रुपये की वृद्धि देखी गई है, जो राज्य की बदहाल आर्थिक स्थिति का प्रमाण है। जन सुराज ने बजट के असंतुलन को रेखांकित करते हुए कहा कि एक ओर शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों के बजट में कटौती की गई है, वहीं दूसरी ओर कल्याणकारी योजनाओं का खर्च 38 हजार करोड़ से बढ़ाकर 58,909 करोड़ रुपये कर दिया गया है। पार्टी का तर्क है कि राज्य पहले से ही 50 हजार करोड़ रुपये के कर्ज में दबा है, ऐसे में डेढ़ करोड़ महिलाओं को आर्थिक सहायता देने जैसी लोकलुभावन योजनाएं कितनी व्यावहारिक होंगी, यह संदिग्ध है।प्रेस वार्ता में यह चेतावनी भी दी गई कि यदि केंद्र सरकार ने अपना सहयोग कम किया, तो 12 प्रतिशत राजकोषीय घाटे के साथ बिहार अगले 5 वर्षों में आर्थिक रूप से दिवालिया हो सकता है। रोजगार के रोडमैप पर सरकार की चुप्पी को लेकर भी सवाल पूछे गए। इस विरोध को जन-जन तक ले जाने के लिए प्रशांत किशोर 8 फरवरी से बिहार भ्रमण पर निकलेंगे, जहाँ वे सीधे जनता से संवाद कर बजट की विसंगतियों पर फीडबैक लेंगे। जन सुराज ने स्पष्ट किया कि यह बजट बिहार की वास्तविक चुनौतियों का समाधान करने में पूरी तरह विफल रहा है।

ट्रंप का भविष्य ट्रंप

ट्रंप की नीतियों ने विभिन्न देशों को नए साथी और नए अवसर ढूंढने के लिए मजबूर किया है। जब अमेरिका ने अपने साथ सम्मानजनक ढंग से कारोबार के रास्ते बंद कर दिए हैं, तो लाजिमी है, देश नए विकल्प की तलाश करेंगे। भारत और यूरोपियन यूनियन (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति बनने की खबर आते ही अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने ईयू को आगाह कि वह अपने खिलाफ युद्ध के लिए धन मुहैया कराने जा रहा है। कहा कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीद कर उसे व्यापारिक सहारा देता है। यूरोप रूस के हमले की आशंका से पीड़ित है, लेकिन अब वह भारत को लाभ पहुंचाने जा रहा है। इसके पहले कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने चीन से व्यापार समझौता किया, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप भड़क गए। अपने चिर-परिचित अंदाज में कार्नी के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने कनाडा पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। मगर अब कार्नी ने मार्च में भारत आने का इरादा जता दिया है। इसी बीच ट्रंप दक्षिण कोरिया पर भी खफा हो गए हैं और उस पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने इस महीने के पहले हफ्ते में चीन की यात्रा की थी। उनके बाद स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पार्लेलिन भी चीन गए और अब अगले मंगलवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री कियर स्टार्मर बीजिंग पहुंच रहे हैं। इस यात्रा से ठीक पहले ब्रिटिश सरकार ने लंदन में चीन के प्रस्तावित भव्य दूतावास के निर्माण को हरी झंडी दे दी, जिसे कई साल से रोक रखा गया था। उपरोक्त तमाम घटनाओं में एक समान तत्व की तलाश की जा सकती है। खुद ट्रंप प्रशासन की नीतियों ने विभिन्न देशों को नए साथी ढूंढने और नए अवसर तलाशने के लिए मजबूर किया है। जब अमेरिका ने अपने साथ सम्मानजनक ढंग से कारोबार के रास्ते बंद कर दिए हैं, तो लाजिमी है, विभिन्न देश नए विकल्प की तलाश करेंगे। लेकिन ऐसी हर घटना से ट्रंप की महत्त्वाकांक्षा पर आघात पहुंचता है। उससे व्यग्र होकर ट्रंप उग्र प्रतिक्रिया जताते हैं। लेकिन उससे वे विपरीत संदेश दुनिया को दे रहे हैं। हर विवेकशील देश इससे सोचने को मजबूर हो रहा है कि जब हर डील ट्रंप का भविष्य ट्रंप के मूड से जुड़ा है, तो आखिर उसके लिए कितनी हांव-पांव मारी जाए?

सभी देशों को आत्महत्या रोकथाम को अपनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बनाना समय की माँग

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर मानव सभ्यता की प्रगति के साथ -साथ मानसिक,सामाजिक और आर्थिक जटिलताएँ भी बढ़ती गई हैं। इन्हीं जटिलताओं से जुड़ा एक अत्यंत गंभीर विषय है,आत्महत्या। यह केवल किसी व्यक्ति का निजी निर्णय नहीं होता,बल्कि इसके पीछे सामाजिक मनोवैज्ञानिक,e सांस्कृतिक और आर्थिक कारकों का गहरा प्रभाव होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तरपर आत्महत्या को सार्वजनिक स्वास्थ्य की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक माना जाता है।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के अनुसार, हर साल लगभग 7 लाख लोग आत्महत्या करके अपनी जान गंवाते हैं, जिसका अर्थ है कि हर 40 सेकंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इससे यह स्पष्ट होता है कि यह केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं,बल्कि वैश्विक संकट है। जिसका समाधान अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मिट बुलाकर करना समय की मांग है। बता दे भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति की घोषणा की है।यह देश में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है जिसमें वर्ष 2030 तक आत्महत्या मृत्यु दर में 10 पर्सेंट की कमी लाने के लिये समयबद्ध कार्य योजना और बहु-क्षेत्रीय सहयोग शामिल है।यह रणनीति आत्महत्या की रोकथाम के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन की दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र रणनीति के अनुरूप है। साथियों बात अगर हम आत्महत्या क्या है और क्यों की जाती है? किस देश में सबसे ज्यादा आत्महत्या होती है?इसको समझने की करें तो, आत्महत्या का सामान्य अर्थ है, व्यक्ति द्वारा जानबूझकर अपनी जान लेना। यह निर्णय किसी क्षणिक आवेग का नहीं, बल्कि लंबे समय तक चले मानसिक और सामाजिक दबाव का परिणाम होता है। डब्लूएचओ की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, आत्महत्या करने वालों में से लगभग 77 पर्सेंट लोग निम्न और मध्यम आय वाले देशों से होते हैं,जहाँ मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ सीमित होती हैं और सामाजिक कलंक के कारण लोग मदद माँगने से कतराते हैं। आत्महत्या के मुख्य कारणों में डिप्रेशन,बाइपोलर डिसऑर्डर, सिज़ोफ्रेनिया, नशे की लत, तथा सामाजिक अलगाव प्रमुख हैं। इसके अलावा रिश्तों में असफलता, बेरोजगारी, आर्थिक तंगी,घरेलू हिंसा और युवाओं पर शिक्षा व करियर का दबाव भी आत्महत्या के प्रमुख कारक हैं।वैश्विक स्तर परआत्महत्या की दर हर देश में अलग-अलग है।डब्ल्यूएचओ की 2022 की रिपोर्ट बताती है कि लिथुआनिया दक्षिण कोरिया,रूस, गुयाना और जापान जैसे देशों में प्रति 1 लाख आबादी पर आत्महत्या दर सबसे अधिक दर्ज की गई है। उदाहरण के लिए, लिथुआनिया में यह दर लगभग 25.7 प्रति 1 लाख है, जबकि दक्षिण कोरिया में लगभग 20.2 प्रति 1 लाख। वहीं भारत और चीन जैसे देशों में कुल आत्महत्याओं की संख्या सबसे अधिक है,क्योंकि यहाँ जनसंख्या बहुत बड़ी है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरब) 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, एक साल में 1.64 लाख से अधिक आत्महत्याएँ दर्ज की गईं, यानें हर दिन औसतन 450 से अधिक लोग आत्महत्या करते हैं। इनमें सबसे अधिक संख्या दैनिक वेतन बोगियों, छात्रों और किसानों की है। जापान में आत्महत्या लंबे समय से सामाजिक समस्या रही है,जहाँ हर साल लगभग 20,000 से अधिक लोग जीवन समाप्त कर लेते हैं। साथियों बात अगर हम आत्महत्या केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चुनौती होने की करें तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह स्वीकार किया गया है कि आत्महत्या को केवल व्यक्तिगत समस्या मानना उचित नहीं है।डब्ल्यूएचओ और अंतर्राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम संघ (आईएएसपी) के विशेषज्ञ मानते हैंकि आत्महत्या दरअसल मानसिक,सामाजिक,आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों का परिणाम है।2021 में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा गया कि आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के पीछे गरीबी, सामाजिक असमानता, लैंगिक भेदभाव और शिक्षा का अभाव जैसी समस्याएँ भी प्रमुख रूप से जिम्मेदार हैं।युवाओं मेंआत्महत्या की दर विशेष रूप से चिंताजनक है।15-29 वर्ष आयु वर्ग में आत्महत्या मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण है। डिजिटल युग में साइबर बुलिंग, ऑनलाइन दबाव और सोशल मीडिया की अवास्तविक अपेक्षाएँ भी युवाओं को आत्महत्या की ओर धकेल रही हैं। साथियों बात अगर हम आत्महत्या रोकने के उपायों की करें तो शोध और डेटा संग्रह आत्महत्या रोकथाम की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम है। डब्लूयूएचओ की मेन्टल हेल्थ अटलस 2020 रिपोर्ट बताती है कि दुनियाँ के 80 पर्सेंट से अधिक देशों में आत्महत्या से संबंधित डेटा उपलब्ध नहीं है या अधूरा है। इससे नीतियों का निर्माण कठिन हो जाता है। आईएएसपी लगातार इस दिशा में अनुसंधान और प्रशिक्षण को बढ़ावा दे रहा है। अमेरिका और यूरोप के देशों ने आत्महत्या रोकथाम पर व्यापक शोध कियाe है,जिससे यह साबित हुआ है कि कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी (सीबीटी), साइकोसोशल सपोर्ट, हेल्पलाइन सेवाएँ और सामुदायिक सहयोग आत्महत्या रोकने में बहुत प्रभावी हैं।पेशेवरों को प्रशिक्षित करना भी इस दिशा में अत्यंत आवश्यक है डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाँ भर में प्रति 1 लाख लोगों पर औसतन केवल 13 मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर हैं, जबकि विकसित देशों में यह अनुपात बहुत अधिक है। इस असमानता के कारण निम्न और मध्यम आय वाले देशों में आत्महत्या रोकथाम चुनौतीपूर्ण बन जाती है। यदि डॉक्टर, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता और पुलिसकर्मी आत्महत्या के संकेतों को पहचानने और सही समय पर हस्तक्षेप करने में प्रशिक्षित हों, तो कई जिंदगियाँ बचाई जा सकती हैं। साथियों बात अगर हम आत्महत्याओं को रोकने के लिए शिक्षा और संवाद की आवश्यकता सबसे मजबूत हथियार होने की करें तो, आईएएसपी और डब्लूयुएचओ दोनों ही यह मानते हैं कि सार्वजनिक जागरूकता से आत्महत्या की प्रवृत्ति को काफी हद तक कम किया जा सकता है। डब्लूयुएचओ की 2022 की रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया है कि मानसिक स्वास्थ्य पर संवाद बढ़ाने से आत्महत्या दर में 20 पर्सेंट तक की कमी लाई जा सकती है।आज भी अधिकांश समाजों में मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या को लेकर सामाजिक कलंक मौजूद है। लोग इस विषय पर बात करने से कतराते हैं।इसका परिणाम यह होता है कि पीड़ित व्यक्ति अकेलेपन और शर्मिंदगी का शिकार हो जाता है। युवाओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना और उन्हें यह समझाना कि मदद माँगना कमजोरी नहीं बल्कि साहस है,अत्यंत आवश्यक है। स्कूलों और विश्वविद्यालयों में काउंसलिंग सेवाएँ, हेल्पलाइन नंबर, मानसिक स्वास्थ्य कार्यशालाएँ शुरू करना उपयोगी साबित हो सकता है। उदाहरण के लिए, दक्षिण कोरिया और जापान ने स्कूल स्तरपरमानसिक स्वास्थ्य शिक्षा लागू की है, जिससे आत्महत्या की दर कम करने में मदद मिली है। साथियों बात अगर हम आत्महत्या की रोकथाम के वैज्ञानिक और सामाजिक उपायों की करें तो,आत्महत्या रोकथाम के लिए बहुआयामी उपाय आवश्यक हैं।डब्लूयुएचओ की लाइव लाइफ रणनीति (2021) में चार प्रमुख उपाय सुझाए गए हैं (1) हानिकारक साधनों की उपलब्धता को कम करना (जैसे कीटनाशक, आग्नेयास्त्र,दवाइयाँ), (2) मीडिया रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार दिशानिर्देश बनाना,(3) किशोरों और युवाओं में सामाजिक व भावनात्मक कौशल विकसित करना,(4) जल्दी पहचान और सहायता उपलब्ध कराना।

भारत के संबंध में वैश्विक स्थिति को कैसे बदल रहे हैं व्यापार समझौते

डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

भारतीय उत्पादन और सेवाओं को वैश्विक अर्थव्यवस्था में ज़्यादा से ज़्यादा इंटीग्रेट करने और निवेश अवसरों को बढ़ावा देकर घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहित करने के लिए भारत की नई अंतरराष्ट्रीय व्यापार रणनीति देश के मौजूदा और नए विकसित आर्थिक ढांचे का इस्तेमाल करना चाहती है, साथ ही मौजूदा और भविष्य की ज़रूरतों के हिसाब से इसे रीडिज़ाइन भी कर रही है। सप्लाई चेन में रुकावटें, बढ़ते व्यापार प्रतिबंध, फिर से उभरते टैरिफ के खतरे और भू-राजनीतिक तनाव-ये सभी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं। इसे देखते हुए भारत को भरोसेमंद, लंबे समय के सहयोगी के तौर पर देखा जा रहा है। भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार के प्रति दृष्टिकोण वैश्विक व्यापार माहौल के साथ बदल रहा है क्योंकि रुझान बताते हैं कि विभिन्न क्षेत्रों में संरक्षणवादी नीतियां ज़्यादा आम हो रही हैं और एशिया-प्रशांत में वाणिज्य ज़्यादा क्षेत्रीय हो रहा है। मोदी सरकार की नई रणनीति में अपने मौजूदा आर्थिक ढांचे को फिर से व्यवस्थित करना और उसका इस्तेमाल करना दोनों शामिल हैं। मोदी सरकार की तरफ से बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-2025 में मैन्युफैक्चरिंग का देश की जीडीपी में 20% से भी कम योगदान था, जबकि सेवाओं का 50% से ज़्यादा था। इसलिए, भारत की रणनीति घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और मैन्युफैक्चरिंग में निर्यात की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए निवेश के अवसरों को बढ़ावा देना है, साथ ही भारतीय सेवाओं को वैश्विक अर्थव्यवस्था में इंटीग्रेट करने को ऑप्टिमाइज़ करना है। मोदी सरकार के तहत भारत ने कई महत्वपूर्ण पॉलिसी बदलाव किए हैं जो पिछले कुछ सालों में देश की अर्थव्यवस्था की दिशा को प्रभावित कर रहे हैं, ताकि अंदरूनी समस्याओं को सुलझाया जा सके और बाहरी माहौल में होने वाले बदलावों के हिसाब से खुद को ढाला जा सके। मेक इन इंडिया 2.0 पहल के ट्रेड रिफॉर्म्स का मकसद 27 अलग-अलग इंडस्ट्रीज़ को मज़बूत करना और देश को दुनिया के लिए एक भरोसेमंद एक्सपोर्टर के तौर पर स्थापित करना है। लंबे समय तक चलने वाले विदेशी निवेश को आकर्षित करना और "मेक इन इंडिया" कार्यक्रम को आगे बढ़ाना इस कोशिश के दो मुख्य लक्ष्य हैं। अंतरराष्ट्रीय निवेश, विकास और स्थिरता के लिए बेहतरीन जगह के तौर पर देश की प्रतिष्ठा को बेहतर बनाने के लिए, सरकार रेगुलेटरी रिफॉर्म्स को बढ़ावा दे रही है, खास इंसेंटिव दे रही है और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTAs) का विस्तार कर रही है। साल 2030 तक अपने एक्सपोर्ट को $2 ट्रिलियन तक बढ़ाने के लक्ष्य के साथ भारत ने साल 2023 में अपनी विदेश व्यापार नीति (FTP) को फिर से डिज़ाइन किया। FTP एक लचीली और गतिशील रणनीति है जो एक ऐसा ढांचा तैयार करती है जो व्यापार करने में आसानी (EoDB) को बढ़ावा देता है, प्रक्रियात्मक बाधाओं को कम करता है, व्यापार के डिजिटलीकरण को सक्षम बनाता है और भारतीय व्यवसायों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाता है। इसका मकसद एक ऐसा रिस्पॉन्सिव और अनुकूलनीय ढांचा बनाना है जिसे तय पॉलिसी चक्रों का इंतजार किए बिना बदला जा सके। इस व्यापार रणनीति के अनुरूप, मोदी सरकार के 2026 के केंद्रीय बजट में भारत को एक वैश्विक उत्पादन और सोर्सिंग बेस के रूप में स्थापित करने के लिए नई पहलें शामिल थीं, जो मुख्य रूप से रक्षात्मक व्यापार रुख से हटकर अधिक आक्रामक, दूरदर्शी दृष्टिकोण की ओर बढ़ रही हैं। भारत की बदलती व्यापार नीतियों का लक्ष्य सिर्फ एक्सपोर्ट और निवेश पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अर्थव्यवस्था को वैश्विक नेतृत्व के लिए फिर से स्थापित करना है। व्यापक मुक्त व्यापार समझौतों और सरल टैरिफ प्रणालियों के साथ उत्पादों और सेवाओं के उद्योग में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होगी। भारत हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग, श्रम-गहन एक्सपोर्ट, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और मजबूत मुक्त व्यापार समझौतों पर ध्यान केंद्रित करके साल 2032 तक $10 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने की नींव रख रहा है। इन सुधारों का मकसद लंबे समय में प्रति व्यक्ति आय बढ़ाना और नौकरियां पैदा करना भी है, खासकर भारत के युवाओं के लिए। ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष महामहिम उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 16वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में ऐतिहासिक उपलब्धि की घोषणा की। यूरोपीय संघ की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, जिसका वैश्विक जीडीपी में 25% हिस्सा है, और भारत की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, एक भरोसेमंद साझेदारी और अभूतपूर्व बाजार पहुंच स्थापित कर रही हैं। 99 प्रतिशत से अधिक भारतीय निर्यात को यूरोपीय संघ में तरजीही प्रवेश दिया गया है, जिससे विकास की अपार संभावनाएं खुल रही हैं। भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते का मूल लक्ष्य भारत और 27 यूरोपीय संघ के सदस्यों के बीच व्यापार की पूर्वानुमेयता, सामर्थ्य और सुगमता में सुधार करना है। कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण जैसे श्रम-गहन उद्योगों में 33 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात को FTA के तहत तरजीही पहुंच से बहुत फायदा होगा, FTA MSMEs के लिए नए अवसर खोलेगा और महिलाओं, कारीगरों, युवाओं और पेशेवरों के लिए रोजगार पैदा करेगा। इसके अतिरिक्त, पारस्परिक बाजार पहुंच के साथ FTA का सावधानीपूर्वक कैलिब्रेटेड ऑटो उदारीकरण भारत के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात के लिए दरवाजे खोलेगा और संवेदनशील कृषि उत्पादों और डेयरी क्षेत्र को बिना किसी बाजार पहुंच के सुरक्षित रखेगा। यूरोपीय संघ भारत के सबसे बड़े वाणिज्यिक भागीदारों में से एक है, जिसमें उत्पादों और सेवाओं में द्विपक्षीय वाणिज्य समय के साथ धीरे-धीरे बढ़ रहा है। 6.4 लाख करोड़ रुपये (75.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर) के निर्यात और 5.1 लाख करोड़ रुपये (60.68 बिलियन अमेरिकी डॉलर) के आयात के साथ 2024-2025 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार कुल 11.5 लाख करोड़ रुपये (136.54 बिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा। साल 2024 में भारत और यूरोपीय संघ के बीच सेवाओं में व्यापार कुल 7.2 लाख करोड़ रुपये (83.10 बिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा। दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक और युवा, जोशीली कामकाजी आबादी के साथ भारत इस फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का फायदा उठाकर रोज़गार बढ़ाने, इनोवेशन को बढ़ावा देने, कई तरह के उद्योगों में मौके खोलने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कॉम्पिटिटिवनेस को बेहतर बनाने के लिए अच्छी स्थिति में है। कमोडिटी और सेवाओं में ट्रेड, ट्रेड रेमेडीज़, कस्टम्स और ट्रेड फैसिलिटेशन जैसे पारंपरिक सेक्टर के अलावा, भारत-EU ट्रेड पैक्ट में SMEs और डिजिटल ट्रेड जैसे नए क्षेत्र भी शामिल हैं। इसके अलावा, EU सदस्य देशों में जहां पारंपरिक मेडिकल तरीकों को रेगुलेट नहीं किया जाता है, वहां भारत ने भारतीय पारंपरिक चिकित्सा के प्रैक्टिशनर्स को अपने टाइटल के तहत काम करने का अधिकार हासिल कर लिया है।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और साथ ही माता-पिता से सलाह लेंगे। आज सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे तो आपको काम करने में आसानी होगी। आज आपको किसी मामलों में जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा।

वृष राशि : आपके लिए आज का दिन शुभ है। आज आप कामकाज निपटाने में बहुत हद तक सफल रहेंगे। अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा। आज किसी पुरानी समस्याओं पर दोस्तों से बातचीत होगी, इससे आपको अच्छा समाधान मिलेगा। आज परिवार के कामों में आपका पैसा लगेगा। आज अपनी वाणी में मधुरता रखें तो आपके लिए अच्छा है।

मिथुन राशिः आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज भाई या बहन से आपकी फोन पर बात होगी, जिससे आपको अच्छा लगेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। महिलाए आज ऑलाईन नयी डिश सीखने की कोशिश करेंगी। पिता का सहयोग आपके साथ रहेगा। लेखकों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, उनके लेखन कार्यो की सराहना होगी।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें। आज पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं। आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिल सकती है। आपकी सलाह से दूसरों को फायदा होगा। आज आपको नए इनकम सोर्स मिल सकते हैं।

सिंह राशि : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपके कोर्ट-कचहरी के मामले कुछ समय के लिए रुक सकते है, लेकिन समय रहते सब ठीक होगा। आज आपको किसी दोस्त का सहयोग मिलेगा। परिवार वालों का हंसी-मजाक भरा बरताव घर के वातावरण को और खुशनुमा बनायेगा। आज आपकी निजी लाइफ बेहतर रहेगी।

कन्या राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह जरूर ले। आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप पूरा करेंगे। सभी लोग आपके द्वारा किए गए कार्यों से काफी खुश नजर आएंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा होने वाला है। आज धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। जरूरी काम और रिश्ते के बारे में विचार करेंगे और योजना बनाएंगे। परिवार से जुड़ी समस्या खत्म होने के योग हैं। आप नए सिरे से कोशिश करेंगे तो आप सफल हो सकते हैं।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ो की राय लेना बेहतर साबित होगा। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के जो लोग नया बिजनेस करना चाहते हैं उनके लिए आज मार्केट एनालिसिस करना बेहतर होगा।

धनु राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज जो भी काम शुरु करेंगे वे काम समय पर पूरा हो जायेंगे। आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। नयें व्यापार को शुरू करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। कॉमर्स के विद्यार्थी आज मार्केटिंग को समझने के लिये शिक्षकों की सहायता लेंगे, जो आगे चलकर बेहद काम आयेंगी।

मकर राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आप अपने घर का डेकोरेशन फेस्टिवल के अनुसार करेंगे। आपको अपनी वाणी पर संयम बनाये रखना चाहिए।

कुंभ राशि : आज आपका मन नई उमंगों से भरा रहेगा। सभी आपसे राय लेना चाहेगा। ऑफिस के लोगों में आपका रुतबा बनेगा। किसी विशेष व्यक्ति से आज आपकी बात हो सकती है। आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा, धन के नये स्त्रोत प्राप्त होंगे। छोटे बच्चे आज बहुत खुश रहेंगे, वो अपने लिये नया खेल तलाश करेंगे।

मीन राशि :आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बडों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्ते में नयापन आयेगा। सामाजिक कार्यों में सहयोग देने से आपको अच्छा फील होगा।

नारी देह, नारी अधिकारः माहवारी पर सुप्रीम कोर्ट की दृष्टि

ललित गर्ग

भारत के सामाजिक विकास की यात्रा में महिलाओं की स्थिति हमेशा एक निर्णायक कसौटी रही है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से आँकी जाती है कि वह अपने समाज के आधे हिस्से-महिलाओं को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है। इसी सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी 2026 को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए मासिक धर्म स्वास्थ्य को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार घोषित किया है। कोर्ट ने देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त और सुरक्षित बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मासिक धर्म स्वच्छता को गरिमा और स्वास्थ्य के साथ जीने के मौलिक अधिकार का हिस्सा माना गया है। स्कूलों में साफ-सुथरे शौचालय और पानी की उचित व्यवस्था अनिवार्य है। इस निर्णय का उद्देश्य पीरियड्स के कारण लड़कियों की पढ़ाई में होने वाली बाधा को रोकना और उन्हें शर्मिंदगी से बचाना है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला महिलाओं और विशेषकर स्कूली लड़कियों की माहवारी से जुड़ी समस्या पर दिया गया ऐतिहासिक निर्णय, एक सशक्त और दूरदर्शी कदम है। कर्नाटक सरकार ने सरकारी और प्राइवेट क्षेत्र की महिला कर्मचारियों के लिए 12 दिन का सवेतन पीरियड लीव नीति को भी मंजूरी दी है। यह फैसला स्कूलों में मासिक धर्म प्रबंधन की कमी को दूर करने और छात्राओं के सम्मानजनक शिक्षा के अधिकार की सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम है। स्कूलों में अनिवार्य रूप से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला संदेश है कि अब माहवारी जैसे विषय को चुप्पी, लज्जा और अज्ञान के अंधेरे में नहीं छोड़ा जा सकता। विडंबना यह है कि जिस माहवारी को प्रकृति ने जीवन-चक्र का अनिवार्य और स्वस्थ हिस्सा बनाया है, उसे हमारे समाज ने सदियों से अपवित्रता, अशुद्धता और वर्जना से जोड़ दिया। परिणामस्वरूप, करोड़ों महिलाएँ और किशोरियाँ न केवल शारीरिक कष्ट झेलती हैं, बल्कि मानसिक पीड़ा, हीनभावना और सामाजिक बहिष्कार का भी सामना करती हैं। आज भी भारत के अनेक हिस्सों में माहवारी के दौरान लड़कियों को रसोई, पूजा, स्कूल और सामाजिक गतिविधियों से दूर रखा जाता है। यह व्यवहार केवल परंपरा नहीं, बल्कि स्त्री की गरिमा और अधिकारों का प्रत्यक्ष हनन है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी कि "माहवारी स्वच्छता की कमी महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुँचाती है" इस पूरे विमर्श को एक नई संवैधानिक दृष्टि देती है। संविधान द्वारा प्रदत्त जीवन और गरिमा के अधिकार को यदि वास्तविक अर्थों में लागू करना है, तो महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देनी ही होगी। स्कूलों में सेनेटरी पैड की अनिवार्य व्यवस्था इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई अध्ययन बताते हैं कि स्वच्छता सुविधाओं के अभाव में बड़ी संख्या में लड़कियाँ किशोरावस्था में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। यह केवल शिक्षा का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे समाज की बौद्धिक और नैतिक पूंजी की क्षति है। न्यायालय ने शिक्षा को एक 'मल्टीप्लायर राइट' बताया जो अन्य मानवाधिकारों के उपयोग की कुंजी है। न्यायालय ने इस निर्णय को केवल आदर्शों की घोषणा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जमीन पर उतारने के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक निर्देश दिए। कक्षा 6 से 12 तक की सभी छात्राओं को मुफ्त, उच्च गुणवत्ता वाले ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। इन पैड्स का एएसटीएम डी-6954 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य किया गया, ताकि स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके। साथ ही, पैड्स की सहज, सुरक्षित और गोपनीय उपलब्धता के लिए स्कूलों में वेंडिंग मशीन या नामित अधिकारी की व्यवस्था तय की गई, जिससे छात्राओं की झिझक और असहजता पूरी तरह दूर की जा सके। इसके साथ ही स्कूलों में "मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन कॉर्नर" स्थापित करने का आदेश दिया गया, जहाँ अतिरिक्त यूनिफॉर्म, स्पेयर इनरवियर, डिस्पोजेबल बैग और आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध होगी। दिव्यांग छात्राओं के लिए व्हीलचेयर-अनुकूल शौचालय और सहायक उपकरण जैसी विशेष सुविधाएँ अनिवार्य की गईं। निजी स्कूलों द्वारा निर्देशों की अवहेलना पर मान्यता रद्द करने का प्रावधान रखकर जवाबदेही को मजबूत किया गया, ताकि यह फैसला केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि हर छात्रा के जीवन में वास्तविक बदलाव ला सके। माहवारी स्वच्छता केवल पैड उपलब्ध कराने तक सीमित विषय नहीं है। इसके साथ जुड़ा है स्वच्छ शौचालय, साफ पानी, कचरा निस्तारण की व्यवस्था और सबसे महत्वपूर्णकृसही जानकारी। आज भी अनेक लड़कियाँ पहली माहवारी के समय भय, भ्रम और अपराधबोध से घिर जाती हैं क्योंकि उन्हें पहले से कोई वैज्ञानिक और संवेदनशील जानकारी नहीं दी जाती। स्कूलों में यदि स्वास्थ्य शिक्षा को गंभीरता से लागू किया जाए और माहवारी को एक सामान्य जैविक प्रक्रिया के रूप में समझाया जाए, तो यह डर और संकोच स्वतः समाप्त हो सकता है। यह भी सच है कि माहवारी को लेकर समाज में फैली चुप्पी पुरुषों की भूमिका को भी प्रश्नों के घेरे में लाती है। जब तक पुरुष-चाहे वे पिता हों, शिक्षक हों, प्रशासक हों या नीति-निर्माता, इस विषय को केवल "महिलाओं का मामला" मानकर किनारे करते रहेंगे, तब तक वास्तविक बदलाव संभव नहीं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं कि उन्होंने समाज और खासकर पुरुषों को संवेदनशील बनने का अवसर दिया है। जागरूकता का अर्थ केवल महिलाओं को सशक्त बनाना नहीं, बल्कि पुरुषों को सहृदय और जिम्मेदार बनाना भी है।ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में माहवारी से जुड़ी चुनौतियाँ और भी गंभीर हैं। वहाँ आज भी कपड़े, राख या अस्वच्छ साधनों का उपयोग आम है, जिससे संक्रमण और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। सरकारी योजनाएँ और गैर-सरकारी प्रयास मौजूद हैं, परंतु उनकी पहुँच और प्रभावशीलता अभी भी सीमित है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय यदि ईमानदारी से लागू होता है, तो यह नीति और जमीन के बीच की खाई को पाटने में सहायक हो सकता है। यह भी विचारणीय है कि माहवारी स्वच्छता को केवल कल्याणकारी योजना न मानकर महिला अधिकारों के व्यापक ढाँचे में देखा जाए। स्वास्थ्य का अधिकार, शिक्षा का अधिकार और समानता का अधिकार-तीनों इस विषय से सीधे जुड़े हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

टी20 विश्वकप में अश्विन का रिकार्ड तोड़ सकते हैं बुमराह और अर्शदीप

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम ने पिछले कुछ समय में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है। उसको देखते हुए टीम को इस बार टूर्नामेंट में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह पर भी इस टूर्नामेंट में सबकी नजरें रहेंगी। ये दोनो ही इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने के नये रिकार्ड बना सकते हैं। बूमराह और अर्शदीप का प्रदर्शन पहले भी अच्छा रहा है और इस बार भी ये दोनो नये रिकार्ड बना सकते हैं। इन दोनों के पास इस बार दिग्गज स्पिनर आर अश्विन के सबसे अधिक 32 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का अवसर है।

जसप्रीत बुमराह- बुमराह ने अब तक 5 टी 20 विश्व कप खेले हैं और वह टी20 इतिहास में भारत के तीसरे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ हैं। बुमराह ने 2016 से 2024 तक टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 18 मैचों में 5.44 की शानदार इकॉनमी से 26 विकेट लिए हैं।

अर्शदीप सिंह- अर्शदीप ने अब तक टी20 विश्वकप के दो संस्करणों में 27 विकेट लिए हैं।

अर्शदीप सबसे अधिक विकेट लेने वालों की सूची में कुल मिलाकर 22वें स्थान पर हैं, जहां उनके साथ न्यूज़ीलैंड के ईश सोढ़ी और वेस्टइंडीज़ के ड्वेन ब्रावो भी शामिल हैं। हाल में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था।

आर अश्विन- पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय और स्पिन गेंदबाज़ी के दिग्गज रविचंद्रन अश्विन के नाम आईसीसी टीम विश्वकप इतिहास में सबसे ज़्यादा विकेट लेने भारतीय गेंदबाज हैं। साल 2012 से 2022 तक टूर्नामेंट खेलने वाले अश्विन ने 24 मैचों में 6.49 की इकॉनमी से 32 विकेट लिए हैं। ओवरऑल रैंकिंग में वह मिचेल स्टार्क के साथ संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर हैं।

डीसी के फाइनल में पहुंचने के बाद बोलीं चिनेल हेनरी-स्पष्ट सोच और संयम ही हमारी ताकत रही

एजेंसी, वडोदरा

दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में गुजरात जायंट्स को सात विकेट से हराकर लगातार चौथी बार फाइनल में जगह बना ली। बीसीए स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में 169 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली ने 26 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की और खिताबी मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से भिड़ने का टिकट कटाया। मैच के बाद दिल्ली कैपिटल्स की ऑलराउंडर चिनेल हेनरी ने टीम की सोच और रणनीति पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा,"मैच से पहले हमने आपस में बातचीत की थी कि हमें किस तरह खेलना है। पिछले मुकाबलों में गुजरात के खिलाफ हम करीबी मैच हार गए थे, लेकिन इस बार हमारा फोकस साफ दिमाग और शांति बनाए रखने पर था।" डीसी ने 169 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए लिज़ेल ली (43 रन, 24 गेंद) और शेफाली वर्मा (31 रन, 21 गेंद) की विस्फोटक 89 रन की ओपनिंग साझेदारी ने दिल्ली की जीत की नींव रखी। इसके बाद मिडिल ऑर्डर ने बिना किसी दबाव के टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

हेनरी ने कहा,"हमारी योजना बिल्कुल साफ थी और हमें अपनी ताकतों पर भरोसा था। शेफाली और लिज़ेल कितनी खतरनाक हो सकती हैं, यह हम जानते हैं। स्कोर चाहे जो भी हो, हमें बस अपना खेल खेलना था।" इससे पहले दिल्ली के गेंदबाजों ने गुजरात जायंट्स पर लगातार दबाव बनाए रखा। चिनेल हेनरी ने 3 विकेट चटकाए, जबकि नंदिनी शर्मा ने 2 अहम विकेट लेकर गुजरात की रन गति पर ब्रेक लगाया। नंदिनी शर्मा ने इस प्रदर्शन के साथ एक बड़ी उपलब्धि भी हासिल की। वह एक डब्ल्यूपीएल सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज बन गईं। 2026 सीजन में उनके नाम अब 16 विकेट हो चुके हैं और वह पर्पल कैप की दौड़ में भी बनी हुई हैं। टीम के भीतर माहौल पर बात करते हुए हेनरी ने कहा,"हम एक-दूसरे पर पूरा भरोसा करते हैं। चाहे बल्लेबाजी में लिज़ेल, शेफाली, जेमिमा या लॉरा हों, या फिर हम गेंदबाज—हर किसी को पता था कि उसे क्या करना है।" उन्होंने नेतृत्व को लेकर कहा कि गेंदबाजी यूनिट के बीच लगातार बातचीत होती रहती है। उन्होंने कहा, "जेमिमा रोड्रिग्स हमेशा चर्चा के लिए तैयार रहती हैं। मारिज़ान काप के साथ पावरप्ले साझा करना खास है। हम लगातार योजनाओं पर बात करते रहते हैं।" अपने ऑलराउंड योगदान पर हेनरी ने कहा कि वह जिस भी भूमिका में टीम की मदद कर सकें, वही उनके लिए सबसे अहम है। उन्होंने कहा, "गुजरात के खिलाफ जीत मिली है, लेकिन सबसे बड़ा मैच अभी बाकी है। हमारा पूरा फोकस अब फाइनल पर है और हम डब्ल्यूपीएल चैंपियन बनने के आखिरी कदम पर नजर लगाए हुए हैं।" दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच डब्ल्यूपीएल 2026 का फाइनल मुकाबला गुरुवार, 5 फरवरी 2026 को खेला जाएगा।

भारत में अगले साल होगी एशियाई राइफल एवं पिस्टल चैंपियनशिप : एएससी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत में अगले साल के अंत में एशियाई राइफल एवं पिस्टल चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। भारत को इस चैंपियनशिप की मेजबानी एशियन शूटिंग कॉन्फेडरेशन (एएससी) ने सौंपी है। इस टूर्नामेंट से लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए 8 कोटा स्थानों के लिए भी चयन होंगे। इसलिए इसका महत्त और भी बढ़ जाता है। यह टूर्नामेंट 1 से 10 दिसंबर 2027 तक डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का आयोजन नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किया जाएगा। भारत ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए निशानेबाज में अधिकतम संभव 16 कोटा (8 राइफल, 8 पिस्टल) हासिल किए थे। इतना ही नहीं,

Asian Shooting Confederation (ASC)

भारत ने रिकॉर्ड 21 निशानेबाजा को ओलंपिक भेजा था, ये टोक्यो 2020 में भेजे गए 15 खिलाड़ियों से कहीं ज्यादा था। पेरिस ओलंपिक में भारतीय निशानेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए तीन कांस्य पदक जीते हैं। भारत को इस समय भी घरेलू धरती पर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है क्योंकि एशियन शूटिंग चैंपियनशिप अभी होनी है। इसमें भारत 118 खिलाड़ियों का सबसे बड़ा दल उतारेगा, वहीं कजाकिस्तान 35 खिलाड़ियों के साथ दूसरा सबसे बड़ा दल लेकर आया है, जबकि ईरान के 28 निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं।इसमें कोरिया, ईरान और जापान जैसी एशियाई शक्तियों ने भी मजबूत टीमें भेजी हैं। इसके अलावा चीनी ताइपे, वियतनाम और हांगकांग के शूटरों से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। इस चैंपियनशिप में 20 देशों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

स्मिथ ने पीएसएल फ्रेंचाइज़ी सियालकोट स्टैलियनज़ के साथ किया करार, 2028 ओलंपिक का सपना अब भी जिंदा

एजेंसी, मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट स्टार स्टीव स्मिथ ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की नई फ्रेंचाइज़ी सियालकोट स्टैलियनज़ के साथ करार कर लिया है। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम में वापसी और लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 में खेलने का उनका सपना अब भी कायम है, जहां पहली बार टी20 क्रिकेट को शामिल किया जाएगा। 36 वर्षीय स्मिथ ने हाल ही में एशेज सीरीज़ में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसके बाद उन्होंने सिडनी सिक्सर्स के लिए बिग बैश लीग (बीबीएल) में भी बेहतरीन बल्लेबाजी की। इसके बावजूद उन्हें ऑस्ट्रेलिया की टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह नहीं मिल सकी। स्मिथ कई बार साफ कर चुके हैं कि उनका बड़ा लक्ष्य 2028 ओलंपिक में खेलना है। हालांकि सिडनी टेस्ट के बाद उन्होंने यह भी कहा था कि

उनका भविष्य "दिन-प्रतिदिन" का मामला है। लेकिन पीएसएल में साइन करना इस बात का संकेत है कि उनके इरादे अभी मजबूत हैं। ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम में फिलहाल कप्तान मिच मार्श और ऑलराउंड स्टार ट्रैविस हेड को ओपनर के रूप में प्राथमिकता दी जा रही है, जिसके चलते चयनकर्ताओं को इन-फॉर्म स्मिथ के लिए जगह नहीं मिल पाई। पीएसएल में सियालकोट स्टैलियनज़ के लिए खेलना स्टीव स्मिथ के लिए अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में अपनी दावेदारी को और मजबूत करने का अहम मौका माना जा रहा है।

यामल और अराउहो के गोल से बार्सिलोना सेमीफाइनल में, अल्बासेटे को 2-1 से हराया

एजेंसी, अल्बासेटे, (स्पेन)

गत विजेता बार्सिलोना ने कोपा डेल रे में अल्बासेटे के 'जायंट-किलिंग' अभियान पर विराम लगाते हुए मंगलवार को क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उसे 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई। हालांकि दूसरे डिवीजन की टीम अल्बासेटे ने अंत में जोरदार वापसी की कोशिश कर बार्सिलोना को कड़ी चुनौती दी। बार्सिलोना के लिए लामिन यामल ने 39वें मिनट में शानदार गोल कर स्कोरिंग की शुरुआत की। इसके बाद कप्तान रोनाल्ड अराउहो ने दूसरे हाफ में कॉर्नर से हेडर लगाकर टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। इसके साथ ही बार्सिलोना पिछले साल जीती गई ट्रॉफी का बचाव करने की दिशा में आगे बढ़ गया। मैच के अंतिम चरण में अल्बासेटे ने जोरदार दबाव बनाया। 87वें मिनट में जावियर मोरेनो ने फ्री-किक पर डाइविंग हेडर से गोल कर अंतर घटा दिया। स्टॉपेज टाइम में अल्बासेटे का एक और प्रयास बार्सिलोना की गोल लाइन से क्लीयर कर दिया गया, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया। स्पेनिश सेकेंड डिवीजन में 12वें स्थान पर काबिज अल्बासेटे ने इससे पहले कोपा डेल रे में सेल्टा विगो और रियल मैड्रिड जैसी बड़ी टीमों को बाहर कर सनसनी फैलाई थी। क्वार्टरफाइनल में भी उसने दमदार खेल दिखाया, लेकिन बार्सिलोना की गुणवत्ता अंततः भारी पड़ी। पहले हाफ में बार्सिलोना के मार्कस रैशफोर्ड ने गेंद छीनी और

फ्रेंकी डी जोंग के जरिए यामल को मौका मिला, जिसे युवा स्टार ने बाएं पैर से बेहतरीन फिनिश दिया। रैशफोर्ड और दानी ओल्मो को भी गोल के मौके मिले, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं सके। दूसरे हाफ में अराउहो ने दिसंबर में मानसिक स्वास्थ्य ब्रेक के बाद अपनी पहली शुरुआत में गोल कर खास वापसी की। अंतिम मिनटों में फेरान टोरेस का गोल ऑफ-साइड करार दिया गया, जिससे स्कोर 2-1 ही रहा। अन्य क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में बुधवार को डेपोर्टिवो अलावेस बनाम रियल सोसिएदाद और वालेंसिया बनाम एथलेटिक बिलबाओ खेला जाएगा, जबकि गुरुवार को एटलेटिको मैड्रिड का सामना रियल बेटिस से होगा। बार्सिलोना ने पिछले साल सेविला में खेले गए फाइनल में अतिरिक्त समय में रियल मैड्रिड को 3-2 से हराकर खिताब जीता था।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में सपाट स्तर पर शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी ने निचले स्तर से की रिकवरी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज शुरुआती कारोबार के दौरान निचले स्तर से रिकवरी कर सपाट स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। हालांकि पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो जाने के कारण दोनों सूचकांक मामूली उतार-चढ़ाव के साथ सपाट स्तर पर कारोबार करने लगे। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा था, वहीं निफ्टी 0.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा था। आज सुबह 11 बजे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ओएनजीसी, एनटीपीसी, कोल इंडिया, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 4.12 प्रतिशत से लेकर 1.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, इंफोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजी, टेक महिंद्रा और विप्रो के शेयर 6.09 प्रतिशत से लेकर

3.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,742 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,938 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 804 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 13 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 38 शेयर हरे निशान में और 12 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 487.07 अंक की गिरावट के साथ 83,252.06 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण पहले आधे घंटे के कारोबार में ये सूचकांक निचले स्तर से शानदार रिकवरी कर हरे निशान में 83,885.87 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बिकवाली का दबाव बनने की वजह से इस सूचकांक की चाल में मामूली कमजोरी आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 11 बजे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 64.55 अंक की कमजोरी के साथ 83,674.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 52.50 अंक टूट कर 25,675.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण ये सूचकांक उछल कर 25,801.80 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली होने शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में उतार चढ़ाव होने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 11 बजे का कारोबार होने के बाद निफ्टी 17.30 अंक की उछाल के साथ 25,744.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 2,072.67 अंक यानी 2.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 83,739.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ था।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में आज दिन के पहले सत्र के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि चांदी आज सांकेतिक कमजोरी के साथ कारोबार कर रही है। कीमत में तेजी आने के कारण सोना आज 720 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में आज एक सौ रुपये प्रति किलोग्राम तक की सांकेतिक कमजोरी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,53,940 रुपये से लेकर 1,54,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,41,110 रुपये से लेकर 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,54,090 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि

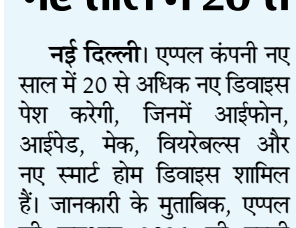

22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,53,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,53,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,53,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,41,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

रुपया 22 पैसे टूटकर 90.54 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई। भारतीय रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 22 पैसे टूटकर 90.54 पर पहुंच गया। एक दिन पहले भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति की खबर से आई तेज मजबूती बुधवार को बरकरार नहीं रह सकी। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, बाजार में सकारात्मक माहौल के बावजूद निवेशक अभी सतर्क रुख अपनाए हुए हैं, क्योंकि अब तक कोई आधिकारिक या हस्ताक्षरित व्यापार समझौता सामने नहीं आया है। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 90.35 प्रति डॉलर पर खुला, लेकिन जल्द ही दबाव में आकर 90.54 के स्तर तक फिसल गया। इसके मुकाबले मंगलवार को रुपया 117 पैसे या 1.28 प्रतिशत की रिकॉर्ड बढ़त के साथ 90.32 पर बंद हुआ था और एशियाई मुद्राओं में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बना था।

पिक्सल बड्स 2ए को दो नए कलर्स में होंगे लॉन्च

नई दिल्ली। गूगल के पॉपुलर ईयरबड्स पिक्सल बड्स 2ए जल्द ही सॉफ्ट पिंक और लाइट ग्रे वेरिएंट मार्केट में उपलब्ध होंगे। पहले से मौजूद हेजल और आइरिस कलर के साथ ये नए शेड्स लाइनअप का हिस्सा बनेंगे। पिक्सल बड्स 2ए को अगस्त 2025 में लॉन्च किया गया था, जिसकी कीमत 12,999 रुपये थी। उम्मीद है कि नए वेरिएंट की कीमत भी उतनी ही रहेगी। नए कलर शेड्स फोग और बेरी के नाम से रूमर्ड हैं। फोग हल्के ग्रे टोन में है, जबकि बेरी सॉफ्ट पिंक रंग का विकल्प है। डिजाइन और हार्डवेयर वही रहेगा, चार्जिंग केस का बाहरी हिस्सा सफेद और अंदर का हिस्सा ईयरबड्स के रंग से मैच करेगा। पिक्सल बुडस 2ए को 45 मिलियन से ज्यादा ईयर स्कैन डेटा के आधार पर डिजाइन किया गया है, ताकि बेहतर कम्फर्ट और फिट मिल सके। ईयरबड्स आईपी 54 रेटिंग के साथ पसीने और पानी से सुरक्षित हैं, जबकि चार्जिंग केस को आईपीएक्स4 रेटिंग मिली है। ब्लूटूथ 5.4 सपोर्ट, गूगल टेंसर एआई चिप और 11 एमएम डायनेमिक ड्राइवर्स के साथ ईयरबड्स में एक्टिव नॉइज कैंसलेशन, ट्रांसपेरेंसी मोड और 5-बैंड इक्वलाइजर जैसे फीचर्स शामिल हैं। वॉयस कॉल के लिए विंड-ब्लॉकिंग मेश और एआई-पावर्ड नॉइज रिडक्शन की सुविधा भी है। एएनसी ऑन होने पर बैटरी लाइफ 7 घंटे और केस के साथ 20 घंटे

तक चलती है। एएनसी बंद होने पर 10 घंटे प्ले और केस के साथ 27 घंटे तक बैटरी लाइफ मिलती है। हर ईयरबड में दो माइक्रोफोन, इंफ्रारेड इन-ईयर डिटेक्शन और कैपेसिटिव टच कंट्रोल्स लगे हैं। नए कलर विकल्प यूजर्स को स्टाइलिश और आकर्षक लुक के साथ शानदार ऑडियो अनुभव देंगे।फास्ट चार्जिंग से 5 मिनट चार्जिंग पर एक घंटे का प्लेबैक संभव है। अन्य फीचर्स में हैंड्स-फ्री जेमिनी एक्सेस, टैप कंट्रोल्स, पिक्सेल-परफेक्ट पेयरिंग, मल्टीपॉइंट स्विचिंग और फाइंड हब सपोर्ट शामिल हैं।

आय फाइनेंस का आईपीओ 9 फरवरी को खुलेगा, प्राइस बैंड 122-129 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली। आय फाइनेंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 9 फरवरी को खुलेगा। निवेशक इसमें निवेश के लिए 11 फरवरी तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 122-129 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने बुधवार को एक बयान में बताया कि 2 रुपये फेस वैल्यू वाला यह आईपीओ नौ फरवरी को खुलेगा और 11 फरवरी को बंद होगा, जबकि बड़े (एंकर) निवेशक छह फरवरी को इसके लिए बोली लगा पाएंगे। इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 122-129 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी के शेयर 16 फरवरी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध होंगे। आय फाइनेंस लिमिटेड 1,010 करोड़ रुपये के आईपीओ में 710

करोड़ रुपये तक के नए शेयर और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 300 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। निवेशक कम से कम 116 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं और उसके बाद 116 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) आय फाइनेंस लिमिटेड का आईपीओ लाने का उद्देश्य भविष्य में कारोबार में वृद्धि और परिसंपत्ति खंड के विस्तार के लिए अपने पूंजी आधार को मजबूत करना है।

नए साल में 20 से अधिक नए डिवाइस पेश करेगी एप्पल

नई दिल्ली। एप्पल कंपनी नए साल में 20 से अधिक नए डिवाइस पेश करेगी, जिनमें आईफोन, आईपेड, मेक, वियरेबल्स और नए स्मार्ट होम डिवाइस शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, एप्पल की शुरुआत 2026 की पहली छमाही में आईफोन 17ई से होगी, जो आईफोन 16 ई का अपग्रेडेड संस्करण होगा। इसमें ए 19 चिप, मैगसेफ सपोर्ट और डायनामिक आइलैंड मिलेगा, जिससे यह एप्पल की प्रीमियम लाइनअप के और करीब दिखेगा। इसी समय आईपेड एयर को एम 4 चिप और रेगुलर आईपेड को ए18 या ए19 प्रोसेसर मिलने की उम्मीद है। मेकबुक एयर और मेकबुक प्रो लाइनअप में एम5 चिप आधारित मॉडल आने वाले हैं। प्रो वेरिएंट में एम5 प्रो और एम5 मेक्स के साथ पीसीएलई 5.0 सपोर्ट भी मिल सकता है।

एप्पल एक सस्ता मेकबुक भी ला सकता है, जिसमें 12.9 इंच डिस्प्ले और ए18 प्रो चिप शामिल होगी। डेस्कटॉप श्रेणी में कंपनी एम5 मेक्स और एम5 अल्ट्रा से लैस नया मेक स्टूडियो लॉन्च कर सकती है। स्टूडियो डिस्प्ले में मिनी-एलईडी बैकलाइटिंग, 120 एचझेड प्रोमोशन और एचडीआर जैसे फीचर्स जुड़ सकते हैं। साल के बीच में एप्पल अपने स्मार्ट होम हब को पेश कर सकता है, जिसमें 6-7 इंच स्क्रीन, ए18 चिप और बेहतर एसआईआरआई सपोर्ट मिलेगा। साथ ही एप्पल अपना पहला होमकीट-इनाब्लेड सिक्योरिटी कैमरा भी लाएगा। दूसरी छमाही में सबसे रोमांचक लॉन्च आईफोन 18 प्रो और प्रो मेक्स होंगे, जिनमें ए20 प्रो चिप, पतला डायनामिक आइलैंड, उन्नत कैमरा कंट्रोल और वेरिएबल अपर्चर कैमरा मिलेगा। फोल्डेबल आईफोन भी इस साल देखने को मिल सकता है, जिसमें 7.7-इंच का अंदरूनी और 5.3-इंच का बाहरी डिस्प्ले होगा। इसके अलावा वॉच सीरीज 12, अल्ट्रा 4, एयरपॉड प्रो 3, एप्पल ग्लासेस, नया आईपेड मिनी और मेकमिनी भी इस सूची में शामिल हैं। टेक दिग्गज एप्पल कंपनी वर्ष 2026 को अपने सबसे बड़े प्रोडक्ट लॉन्च वर्षों में से एक बनाने जा रहा है।

चांद मेरा दिल की रिलीज तारीख जारी, 10 अप्रैल को साथ आएंगे अनन्या पांडे और लक्ष्य लालवानी

धर्मा प्रोडक्शंस एक और प्यारी-सी लव स्टोरी के साथ फैंस का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। फिल्म का नाम चांद मेरा दिल है। इस फिल्म में नई जोड़ी अनन्या पांडे और लक्ष्य ललवानी पहली बार साथ नजर आएंगे। अच्छी खबर ये है कि फिल्म का रिलीज डेट फाइनल हो गई है। यह प्यार भरी कहानी 10 अप्रैल 2026 को बड़े पर्दे पर आएगी। अनन्या पांडे पिछले कुछ सालों में अपनी चुलबुली अदा से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। चाहे 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 हो या 'गहराइयां , उन्होंने हर रोल में कुछ नया दिखाया। अब वह रोमांटिक हीरोइन के रूप में नजर आने वाली हैं। उनके साथ लक्ष्य ललवानी जो किल जैसी फिल्म से अपना जलवा दिखा चुके हैं। धर्मा के साथ यह उनकी दूसरी फिल्म है। उम्मीद जताई जा रही है कि दोनों की केमिस्ट्री बड़ा कमाल दिखा सकती है। फिल्म का टाइटल अभी से ही लोगों के दिलों को छू रहा है। इसके नाम से लगता है कि यह कहानी दो दिलों के मिलन की होगी। धर्मा की फिल्में हमेशा प्यार को खूबसूरती से दिखाती हैं। 'ये जवानी है दीवानी हो या 'हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया , हर बार दर्शक प्यार में डूब जाते हैं। इस बार भी वही जादू होने की उम्मीद है। वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में लक्ष्य की पहली वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड रिलीज हुई है। इस शो से उनकी लोकप्रियता और भी ज्यादा बढ़ गई है। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस शो को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। उम्मीद जताई जा रही है कि इसका दूसरा सीजन भी आने वाले समय में दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगा।

मैं हर पल को जी रही हूं, जन्मदिन पर शहनाज गिल ने शेयर किया सेलिब्रेशन का वीडियो

पंजाब की कटरीना के नाम से मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल मंगलवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री ने अपना जन्मदिन परिवार और करीबी दोस्तों के साथ धूमधाम से सेलिब्रेट किया। इस सेलिब्रेशन का वीडियो उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें शहनाज को केक काटते हुए और सबके साथ हंसते-खेलते दिखाया गया। वीडियो के आखिर में शहनाज सभी के साथ डांस करती दिख रही हैं। साथ ही शहनाज ने भांगड़ा भी किया। वीडियो में सभी के साथ शहनाज बेहद खुश और एनर्जेटिक नजर आ रही हैं। उन्होंने लिखा, आज 27 तारीख है और मैं अपने हर पल को पूरी तरह जी रही हूं। जन्मदिन मुबारक हो मुझे। अभिनेत्री का यह अंदाज फैंस को काफी पसंद आ गया। वे शहनाज के डांस की जमकर तारीफ कर रहे हैं और जन्मदिन की बधाई भी दे रहे हैं। पंजाब के जालंधर की रहने वाली शहनाज गिल ने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद उन्हें एक म्यूजिक वीडियो में काम मिला। फिर, उन्होंने माझे दी जट्टी और पिंड दियां कुड़ियां जैसे कई गाने किए, लेकिन लोगों की नजर अभिनेत्री पर गैरी संधू की बेबी से पड़ी थी। इसके बाद शहनाज ने पंजाबी फिल्म सत श्री अकाल और काला-शा-काला में काम किया। अभिनेत्री साल 2019 में बिग बॉस 13 में नजर आई थीं। यहां शहनाज ने अपने चुलबुले अंदाज से प्रसिद्धि हासिल की थी। उनकी हाजिरजवाबी, टूटी-फूटी इंग्लिश और सिद्धार्थ शुक्ला से बढ़ती नजदीकियां चर्चा में रहीं थीं। बिग बॉस के बाद उन्होंने बॉलीवुड के कई गानों में काम किया। इसके बाद शहनाज ने सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान से हिंदी सिनेमा में कदम रखा और बाद में थैंक यू फॉर कमिंग में भी नजर आईं थीं। शहनाज फिल्म इक्क कुड़ी में भी नजर आई थीं। अभिनेत्री ने इस फिल्म के जरिए बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू किया था।

धमाल 4 की रिलीज डेट में बदलाव, 12 जून नहीं अब इस दिन देगी सिनेमाघरों में दस्तक

मोस्ट अवेटेड कॉमेडी फ्रेंचाइजी धमाल की चौथी किस्त धमाल 4 को लेकर दर्शकों में उत्सुकता चरम पर है। हालांकि, निर्देशक इंद्र कुमार की इस फिल्म की रिलीज डेट में एक बार फिर बदलाव हुआ है। मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए घोषणा की कि फिल्म अब 12 जून को रिलीज नहीं होगी। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, जब अराजकता कॉमेडी से मिलती है, तो समझ लीजिए कि यह धमाल का समय है! नई तारीख शुभ और फैमिली एंटरटेनर के लिए बेस्ट है। 3 जुलाई को फिल्म अल्टीमेट फैमिली एंटरटेनर के रूप में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार है। यह रिलीज डेट में दूसरी बार बदलाव है। इससे पहले फिल्म 12 जून को रिलीज होने वाली थी और उससे पहले ईद के मौके पर आने वाली थी। मेकर्स ने कुछ वजहों से तारीख बदली, हालांकि वजहों का खुलासा नहीं किया गया। माना जा रहा है कि संभावित बॉक्स ऑफिस क्लैश से बचने के लिए यह फैसला लिया गया है। धमाल 4 में अजय देवगन लीड रोल में हैं। उनके साथ संजय मिश्रा, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पटकर और रवि किशन जैसे शानदार एक्टर्स अहम किरदार में नजर आएंगे। फ्रेंचाइजी के पुराने सितारे जैसे रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी भी इसमें शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है। इसे टी-सीरीज, देवगन फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले बनाया गया है। प्रोड्यूसर्स में अजय देवगन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकेरिया, इंद्र कुमार, आनंद पंडित और कुमार मंगत पाठक शामिल हैं। धमाल फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म साल 2007 में हुई थी, जिसमें संजय दत्त, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी मुख्य भूमिका में थे। इंद्र कुमार ने ही इसे डायरेक्ट किया था। इसके बाद साल 2011 में डबल धमाल और 2019 में टोटल धमाल रिलीज हुईं, जो हिट साबित हुईं। धमाल 4 इस सीरीज की नई किस्त है, जो पुरानी मस्ती और नए ट्विस्ट के साथ दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। फिल्म का ट्रेलर और पोस्टर जल्द रिलीज होने की उम्मीद है।

भूमि पेडनेकर ने दर्शकों पर फोड़ा अपनी फ्लॉप फिल्मों का ठीकरा, दी ये चेतावनी

भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आने वाली वेब सीरीज दलदल को लेकर चर्चा में हैं, लेकिन इस बीच उन्होंने अपनी फ्लॉप फिल्मों के बहाने दर्शकों पर जमकर निशाना साधा है। भूमि ने एक इंटरव्यू में अपनी फिल्मों भीड़ और अफवाह की बॉक्स ऑफिस असफलता के लिए सीधेतौर पर दर्शकों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि लोग इस तरह की अच्छी फिल्मों का समर्थन ही नहीं करेंगे तो अच्छा सिनेमा बनना ही बंद हो जाएगा। भूमि ने अनुभव सिन्हा के निर्देशन वाली अपनी फिल्म भीड़ और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ आई अफवाह का उदाहरण देते हुए अपना दर्द बयां किया। ये दोनों फिल्में समीक्षकों द्वारा काफी सराही गई थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रहीं। भूमि ने कहा, जब भीड़ और अफवाह जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ देती हैं तो दिल टूट जाता है। ऐसी फिल्मों की सफलता की पूरी जिम्मेदारी दर्शकों पर होती है, ना कि केवल फिल्म निर्माताओं पर। भूमि ने सीधे बॉलीवुड के मौजूदा बिजनेस मॉडल और दर्शकों की बदलती पसंद पर सवाल उठाए हैं। भूमि का तर्क है कि आजकल फिल्म की क्वालिटी से ज्यादा इस बात पर चर्चा होती है कि उसने पहले दिन कितने करोड़ कमाए। अगर कोई फिल्म (जैसे भीड़ या अफवाह) पहले दिन 10-20 करोड़ की ओपनिंग नहीं लेती तो उसे तुरंत फ्लॉप मान लिया जाता है। इससे नए निर्देशकों और लीक से हटकर कहानियों का गला घुट रहा है। बॉक्स ऑफिस के उतार-चढ़ाव के बीच भूमि ने साफ कर दिया है कि वो अपनी फिल्मों की पसंद को लेकर बिल्कुल भी पछतावे में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनका फिल्मी सफर विविधता से भरा रहा है और वो इसे लेकर काफी गर्व महसूस करती हैं। भूमि का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाना और अपनी विशिष्ट प्रतिभा को निखारना ही उनकी असली प्राथमिकता है। वो कभी खुद को एक दायरे में नहीं बांधेंगी। भले ही हाल के दिनों में कंटेंट आधारित फिल्मों को संघर्ष करना पड़ा हो, लेकिन भूमि बॉलीवुड के भविष्य को लेकर काफी आशावादी हैं। उन्हें लगता है कि फिल्म इंडस्ट्री अब बदलाव के मुहाने पर खड़ी है। भूमि के मुताबिक, दर्शकों और निर्माताओं के बीच एक नया तालमेल बन रहा है, जो आने वाले समय में सिनेमा की तस्वीर बदल देगा। इसी सोच के साथ भूमि दलदल लेकर आ रही हैं, जो 30 जनवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई।

रहस्य की दुनिया में ले जाएगी जावेद जाफरी की 'मायासभा', टीजर रिलीज

फिल्म 'तुम्बाड' से अपनी अलग पहचान बनाने वाले निर्देशक अनिल बर्वे एक बार फिर रहस्य और डर की दुनिया में दर्शकों को ले जाने के लिए तैयार हैं। उनकी अगली फिल्म 'मायासभा' काफी समय से चर्चा में बनी हुई है। पिछले साल नवंबर में रिलीज हुए इसके पोस्टर में जावेद जाफरी के रहस्यमयी अवतार ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी थी। अब साल 2026 की शुरुआत में मेकर्स ने फिल्म का टीजर जारी कर दिया है, साथ ही इसकी नई रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है।

टीजर में दिखी रहस्य और तिलिस्म से भरी दुनिया- 'मायासभा' के टीजर की शुरुआत जावेद जाफरी की गंभीर और रहस्यमयी आवाज से होती है। वह कबीरदास का दोहा पढ़ते सुनाई देते हैं, "माटी कहे कुम्हार से तू क्या रौंदेगी मोहे, एक दिन ऐसा आएगा कि मैं रौंदूंगी तोए।" इसके बाद टीजर में कई डरावने और रहस्य से भरे दृश्य दिखाई देते हैं, जो फिल्म के अंधेरे और तिलिस्मी माहौल की झलक देते हैं। जावेद जाफरी का अवतार बेहद गंभीर, गहन और डर पैदा करने वाला नजर आता है।

1980 के दशक की पृष्ठभूमि में रची गई है कहानी- फिल्म 'मायासभा' की कहानी 1980 के दशक के दौर में सेट की गई है। इसके जरिए मेकर्स जादू-टोना, तंत्र-मंत्र और एक रहस्यमयी दुनिया को बड़े पर्दे पर उतारने वाले हैं। पहले फिल्म की रिलीज तारीख 16 जनवरी, 2026 तय की गई थी, लेकिन अब इसे आगे बढ़ाते हुए 30 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज करने का फैसला लिया गया है। टीजर सामने आने के बाद से ही फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

बॉक्स ऑफिस पर हैप्पी पटेल और राहु केतु, द राजा साब का बुरा हाल, धुरंधर का क्रेज अभी भी बरकरार

कारोबारी दिनों की शुरुआत बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों के लिए अग्निपरीक्षा से कम नहीं होती। वीकेंड पर अच्छा कलेक्शन करने वाली कुछ फिल्मों की कमाई में तगड़ी गिरावट देखी जाती है, जैसा अभी हैप्पी पटेल और राहु केतु की कमाई में देखने को मिला है। एकल आंकड़े से शुरुआत करने वाली इन दोनों फिल्मों को पहले ही सोमवार को भारी गिरावट का मुंह देखना पड़ा। दूसरी ओर, रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर अभी भी बॉक्स ऑफिस पर जमी बैठी है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, बॉक्स ऑफिस पर 1.25 करोड़ से ओपनिंग लेने वाली हैप्पी पटेल ने पहले सोमवार यानी, चौथे दिन सिर्फ 4 लाख रुपये कमाए हैं। इस तरह वीर दास की फिल्म अपने खाते में कुल 4.75 करोड़ रुपये जमा कर पाई है। उधर पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा अभिनीत राहु केतु का भी चौथे दिन बुरा हाल रहा। इसने भी सिर्फ 4 लाख रुपये कमाते हुए घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 4.8 करोड़ का कारोबार किया है। रणवीर और अक्षय खन्ना की धुरंधर को लेकर लोगों का क्रेज 7वें हफ्ते में भी नहीं थम रहा। इसने 46वें दिन 1.40 करोड़ कमाए हैं, जो हैप्पी पटेल और राहु केतु की कमाई के मुकाबले काफी ज्यादा हैं। फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 826.50 करोड़ कमाने में कामयाब साबित हुई है। प्रभास की द राजा साब भी डूबती दिखाई दे रही है। इसने 11वें दिन 1.15 करोड़ कमाए हैं जिसके बाद फिल्म का कुल आंकड़ा 140.50 करोड़ रुपये हुआ है।

रानी मुखर्जी अपनी अपकमिंग फिल्म मर्दानी 3 का ट्रेलर रिलीज, 30 जनवरी को होगी रिलीज

रानी मुखर्जी अपनी अपकमिंग फिल्म मर्दानी 3 को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया है। फिल्म के ट्रेलर को साउथ की मशहूर एक्ट्रेस नयनतारा ने देखा है और इसकी तारीफ की है। उन्होंने इसका ट्रेलर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर भी शेयर किया है। मर्दानी 3 के ट्रेलर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए नयनतारा ने लिखा सिर्फ एक ही रानी है, वह है रानी मुखर्जी। यह ट्रेलर वाकई आग लगाने वाला है। आपकी तरह कोई नहीं है। मैं इस फिल्म का इंतजार कर रही हूं। इसके साथ उन्होंने दिल और फायर वाला इमोजी बनाया है। फिल्म मर्दानी 3 रानी मुखर्जी की मशहूर फिल्म सीरीज मर्दानी का तीसरा पार्ट है। इस फिल्म में रानी एक निडर पुलिस ऑफिसर शिवानी शिवाजी रॉय के रोल में वापस आ रही हैं। ट्रेलर में एक डार्क और सीरियस कहानी दिखाई गई है जो क्राइम, दर्द और लापता लड़कियों के बारे में है। ट्रेलर पर दर्शकों ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे बहुत भावुक और असरदार बताया है। मर्दानी 3 में मल्लिका प्रसाद विलेन के किरदार में नजर आएंगी। दर्शकों ने ट्रेलर देख कर उनके अभिनय की तारीफ की है। रानी मुखर्जी और मल्लिका प्रसाद के अलावा इस फिल्म में जानकी बोडीवाला हैं। फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है। यह फिल्म 30 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

Over 300 flights delayed amid dense fog

New Delhi, Agency: Over 300 flights were delayed after Delhi logged dense fog for over six hours on Monday morning, a day after patchy light rain was seen in the city as a western disturbance kept moisture levels high. Visibility dipped to 100 metres in parts of the city, with overcast skies persisting through the day keeping maximum temperature below normal.

The India Meteorological Department (IMD) has a yellow alert in place for Tuesday, forecasting moderate fog at most places in the city in the early hours and dense fog in isolated pockets.

On Monday, both Safdarjung and Palam saw minimum visibility at 100 metres in the early hours of the day. Fog began to clear up only around 9 am," said an IMD official. IMD classifies fog as shallow if visibility is between 1000-500 m; moderate between 500 and 200 m; dense between 199 and 50 m and, very dense below 50 m.

Low visibility procedures were also initiated at the Delhi airport, which impacted flights, causing slight delays. The flight tracking website FlightRadar24 showed over 300 flights were delayed, primarily departures, with the average delay time standing at around 25 minutes.

On Monday, Delhi's maximum temperature stood at 17.5°C — five degrees below normal for this time of the year. It was 24.6°C a day earlier. The minimum temperature meanwhile stood at 10.4°C on Monday, which was two degrees above normal. It was 12.1°C a day earlier. However, no cold day was declared despite the massive departure from normal for the maximum temperature, the minimum

was not below 10°C.

Forecasts show the minimum may touch 7-9°C by Friday, before rising by 1-2°C again over the weekend with another western disturbance expected. The maximum is forecast to hover between 18-21°C till Sunday.

Meanwhile, Delhi's air quality, which was briefly in the "moderate" category, deteriorated back to the "poor" range by the evening. The 24 hour average air quality index (AQI) stood at 210 at 4 pm, still down from a reading over 265 at 4 pm on Sunday. Forecasts show the AQI is expected stay in "poor" on February 3 and 4 before improving to "moderate" again by February 5, as wind speeds improve again.

Dense fog shrouds Delhi, delays over 200 flights; air quality slips to 'poor'

New Delhi, Agency: Dense fog enveloped the national capital for nearly nine hours on Tuesday, with visibility dropping to as low as 50 metres in parts of the city, disrupting flight operations at Delhi's Indira Gandhi International (IGI) airport, where more than 200 flights were delayed between midnight and 9am, data showed.

While the lowest visibility recorded at Safdarjung was 50 metres, it stood at 100 metres at Palam. "Visibility began dipping rapidly on Monday night itself and by 11.30pm, had already touched 100 metres. It remained in this

range till 8.30am on Tuesday," an India Meteorological Department (IMD) official said.

The IMD classifies fog as shallow if visibility is between 1,000 and 500 metres; moderate if between 500 and 200 metres; dense if between 199 and 50 metres; and very dense if below 50 metres.

Chandrawal water treatment plant work likely to begin this year: CM

New Delhi, Agency: Chief minister Rekha Gupta announced on Monday that the Chandrawal water treatment plant (WTP), a project approved over a decade ago, is expected to be commissioned this year.The announcement was made after Gupta chaired a review meeting of the Delhi Jal Board (DJB) at the Delhi Secretariat on Monday.

The state-of-the-art ?599 crore plant, which will have a capacity of 105 million gallons per day, is designed to serve approximately 11% of Delhi's population. It is being constructed at Chandrawal near Civil Lines in north Delhi and will cover an area of approximately 92 square kilometres – or 6.2% of Delhi's total geographical area.

CM Gupta said during the meeting the plant would significantly strengthen Delhi's water supply infrastructure, according to officials aware of the meeting's details. The meeting was also attended by the water minister Parvesh Verma, along with senior DJB officials.The project is expected to strengthen water supply and pressure in several densely populated areas in the city such as Model Town, Sadar Bazar, Chandni Chowk, Matia Mahal, Ballimaran, Karol Bagh, Patel Nagar, Rajinder Nagar and RK Puram. These areas, the officials cited above said, have long been facing issues related to water availability and pressure.Originally approved in 2012, the project faced prolonged delays due to tender cancellations and non-compliance with guidelines of Japan International Cooperation Agency (JICA), which is assisting in the project, resulting in cost escalations of nearly ?400 crore.In addition to the treatment plant, a parallel pipeline replacement project costing ?1,331 crore is underway. New distribution networks are being laid across nine constituencies covering key localities such as Karol Bagh, Civil Lines, Kamla Nagar, Malka Ganj, Shadipur, Patel Nagar, Shastri Nagar, Naraina, Zakhira, New Rajendra Nagar, Hindu Rao, Idgah, Jhandewalan, Ridge Road, Ramlila Ground and Subhash Park to reduce leakage and contamination.

MCD starts process to recognise teachers' associations

New Delhi, Agency: The Municipal Corporation of Delhi has begun the process of accrediting teachers' service associations and have started inviting applications for recognition. This includes MCD teacher unions, none of which have been formally recognized for the past two years as the process had not been initiated, due to the standing committee's formation being delayed.

The notification, also seen by news agency, states that only one association will be recognised by the department, which has the maximum number of members in the MCD's teaching staff under its education department. The number of members must also be above 35% of the total number of teaching staff under the education department. Associations will have to apply for recognition as a Service Association with their memorandum, constitution, bye-laws, names of office bearers, and estimated membership.

Kuldeep Khatri from the Teachers' Justice Forum, an MCD school teachers' union, claimed that the order violated the service association rules, 1993.

"The file regarding the association's recognition has been requested. Until the requested file is received and a final determination is made regarding how many associations are eligible to enroll members among the teachers, the order to conduct membership drives is unconstitutional. Membership is supposed to be conducted by the department through the DDO zone by filling out consent forms, whereas this order is asking the association to provide its members," he said.

An MCD official from the education department, requesting anonymity, said, "This is merely an initiation of the process of recognising associations, which they have been asking for. We require a number of people in the association, as we cannot provide recognition without knowing how many people are in the association. How can we recognise an association without knowing if it has 1 member or 40? We will follow every rule of the government while carrying out this process.

Neeli Jheel could be Delhi's first Ramsar site

New Delhi, Agency: The government is planning to get the 5.16 hectare Neeli Jheel at Asola Bhatti wildlife sanctuary notified as Delhi's first Ramsar site, environment minister Manjinder Singh Sirsa said on Monday, adding that the ministry is in talks with the Centre on the matter.Further, Sirsa said the government is also in the process of identifying and protecting over 1,000 water bodies in the Capital.

"It is a matter of pride for Delhi that the Neeli Jheel, present inside the Asola wildlife sanctuary is being looked at as a possible Ramsar site," Sirsa said at a World Wetlands Day event at the sanctuary, where Union environment minister Kirti Vardhan Singh was also present.

Night out in CP turns tragic; Delhi man dies after being beaten with helmet

New Delhi, Agency: A late-night outing in the heart of the national capital turned fatal for a 36-year-old businessman who died days after allegedly being struck repeatedly on the head with a helmet by food delivery partners following an argument.

An only child, Shivam Gupta's death has left his family shattered and desperately seeking justice.

A resident of east Delhi's Laxmi Nagar, Shivam had gone to Connaught Place central Delhi's commercial hub with a friend on January 2 to attend a party. An altercation later broke out between him and some delivery partners near E-Block, close to Rajiv Chowk Metro Station, during which he was attacked by around three men.

A PCR call received around 1.30 am on January 3 informed police about an injured man lying unconscious on the road, bleeding. Shivam was rushed to Lok Nayak Jai Prakash Hospital nearby, where doctors found multiple hematomas a pool of clotted blood and declared him unfit to give a statement.Speaking to PTI, Shivam's father, Anil Kant Gupta, said his son had left home on the evening of January 2 to attend a party but did not return.

"I kept calling him, but there was no answer. After some time, I got a call from police saying that my son was admitted in hospital," the grieving father recalled, his voice choking with grief.

He said the injuries were severe and targeted.

"When we reached the hospital, his condition was alarming. He was vomiting blood and not responding. We requested the doctors to refer him to another hospital for better treatment," the father said.

Medical teams later advised an immediate transfer for specialised care. He said Shivam was shifted to Ram Manohar Lohia Hospital on January 4 and underwent surgery on January 5."The doctors clearly told us that the injuries were life-threatening and an immediate operation was necessary. After the procedure, we were informed that the next 36 to 72 hours would be crucial for recovery.

"For a while, he showed signs of improvement. He was responding to the doctors when they called out to him. We had hope," the father said. "But, he left us on January 19."

The 61-year-old senior Gupta, who owns two shops in the Paharganj area, said Shivam was his only child and the sole support of the family.

Police inspected the spot near the parking area and conducted videography and photography. Blood-stained material was seized from the scene and sent for forensic examination, while CCTV camera footage from the nearby control room was checked as part of the investigation.Investigators said the case progressed as medical details and witness accounts emerged. Police sources said an FIR was initially registered under Section 110 and Section 3 of the Bharatiya Nyaya Sanhita. Police said additional sections may be added as the investigation progresses.

Two men were apprehended, the sources said, adding that further investigation is underway to identify the roles of all those involved.

A family member said, "He went to attend a party, but never came back. A helmet was used as a weapon, and it took his life. We want strict action so that no other family has to go through this pain."

'Delhi Khel Mahakumbh': Month-long sports event to start Feb 13

New Delhi, Agency: Delhi education and sports minister Ashish Sood on Monday announced the launch of 'Delhi Khel Mahakumbh', a month-long sporting event, starting February 13, which will be inaugurated by chief minister Rekha Gupta.

The initial phase will feature seven sports, including kabaddi, football, athletics, wrestling, basketball, volleyball, and squash, across 16 different stadiums and venues in the capital such as Bawana, Vikaspuri, and Najafgarh, said Sood.The aim is to ensure equal opportunity for youth across the capital. The event will see participation from over 20,000 athletes.

The first-ever sports 'Mahakumbh' is a state-level event, with the motto "Aao Delhi Khele" which aims to integrate sports with education and youth development, an official said.

Sood stated that in team events, the gold-winning team will get ?1,75,000, silver will get ?1,51,000, and bronze ?1,31,000. In individual events, the gold

medalist will receive ?11,000, silver ?9,000, and bronze ?7,000.Sood also unveiled 'Ranveer', the official mascot for the event and said, "Ranveer symbolises energy, courage, and sporting spirit of Delhi's youth."Addressing a press conference at the Delhi Secretariat on Monday, Sood said that under the leadership of chief minister Rekha Gupta, the Delhi government has accorded renewed priority to sports and resolved to transform Delhi into the sports capital of India."The previous government failed to allocate adequate budgetary support for sports due to which children were deprived of opportunities to participate at national and international levels. The sports budget stood at ?60 crore in 2021–22, which was reduced to ?41 crore in 2022–23, further slashed to ?26 crore in 2023–24, and remained stagnant at ?26 crore till 2024–25. The present government has tripled the allocation for Sports and Youth Affairs to ?76 crore in 2025–26," Sood added.He reiterated that the current government has launched several initiatives to promote sports, including financial assistance and improved facilities for athletes.